सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 11 ● अंकः 60 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 4 अप्रैल, 2025
मूल्य ₹ 3/-

विश्वास वो शक्ति है जिससे उजड़ी हुई दुनिया में भी प्रकाश किया जा सकता है।
-हेलेन केलर

आज के मैच में रोहित-पंत की फार्म... 7 | महाराष्ट्र की सियासी धुरी बना ठाकरे... 3 | केंद्र सरकार वक्फ बिल को... 2

राज्यसभा में वक्फ बिल पास होने के बाद देश का मुसलमान मायूस

बिहार चुनाव में नीतीश को भी नहीं मिलेगा मुसलमानों का साथ!

» ओढ़ ली चुप की चादर! गैर भाजपाई हिंदुओं के साथ मिलकर बीजेपी को हराने की रणनीति!

» उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय लोकदल में हो सकती है बड़ी टूट, चिमटे से भी नहीं छू रहा लोकदल को मुसलमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा में पास होने के बाद वक्फ संशोधन बिल धार्मिक और राजनीतिक धारा को गहराई से प्रभावित करने वाला मुद्दा बन गया है और इसने मुस्लिम और सेक्युलर समाज को नये सिरे से सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। यूपी में सरकार के साथ राष्ट्रीय लोकदल के दो मुस्लिम विधायकों को वहां की जनता ने जीना दुश्वार कर दिया है।

इन विधायकों से सोशल मीडिया पर तेजी से सवाल पूछे जा रहे है कि इन लोगों ने सरकार में रहते हुए विरोध क्यों नहीं दर्ज कराया? बीजेपी बिल को वक्फ संपत्तियों की पारदर्शिता के नाम पर जनता के सामने पेश कर रही है। आम मुसलमान मायूस है और उसने खामोशी की चादर ओढ़ ली है। कांग्रेस इस मुद्दे को आधार बनाकर सपा, आरजेडी, डीएमके, टीएमसी जैसे दलों के साथ मुस्लिम और सेक्युलर वोट बैंक को फिर से जोड़ने का प्रयास कर रही है। सेक्युलर मतदाताओं में संविधान की चिंता को जन्म दे दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि उत्तर प्रदेश और लोकसभा चुनावों में इस बिल का बड़ा असर देखने को मिलेगा।

स्तब्ध है मुसलमान

ईद के तीसरे दिन केन्द्र सरकार द्वारा वक्फ संशोधन बिल के तौर पर मिले तोहफे से मुसलमान स्तब्ध है, मायूस है और चुप है। मुसलमान उन राजनीतिक दलों से ज्यादा नाराज है जो मुस्लिम हितों में बयान तो देते हैं लेकिन उनके मुद्दों पर सरकार का विरोध नहीं करते। बिल पास होने के बाद आम मुसलमान ने चुप की चादर ओढ़ ली है वहीं इव का-दुक्का धर्मगुरू जरूर खुलकर मोदी सरकार की मुखालफत कर रहे हैं। मोदी सरकार के उदय के बाद देश में अब तक ट्रिपल तलाक, नागरिक संशोधन बिल, एनआरसी, राम मंदिर, हिजाब विवाद, लव जिहाद कानून, बुलडोजर कार्रवाई, और सोशल मीडिया और टीवी पर मुस्लिम विरोधी नैरेटेवि चलाये जाने के अनेकों मुद्दों ने जन्म लिया। लेकिन इतना सबकुछ होने के बाद भी मुसलमान इतना मायूस कभी नहीं हुआ जितना वक्फ संशोधन बिल के पास होने के बाद हुआ है। बिल पास होने के बाद देश की राजनीति में यूटर्न आने की संभावना प्रबल है। वहीं मुस्लिम वोटों के छौके से जीत का स्वाद चखने वाले राजनीतिक दलों की खाट खड़ी होना निश्चित दिखाई दे रही है। जिसमें यूपी से राष्ट्रीय लोकदल, बिहार से जनता दल युनाईटेड, साउथ इंडिया से टीडीपी आदि जैसे दल शामिल है।

128
पक्ष में पड़े वोट

95
विपक्ष में पड़े वोट

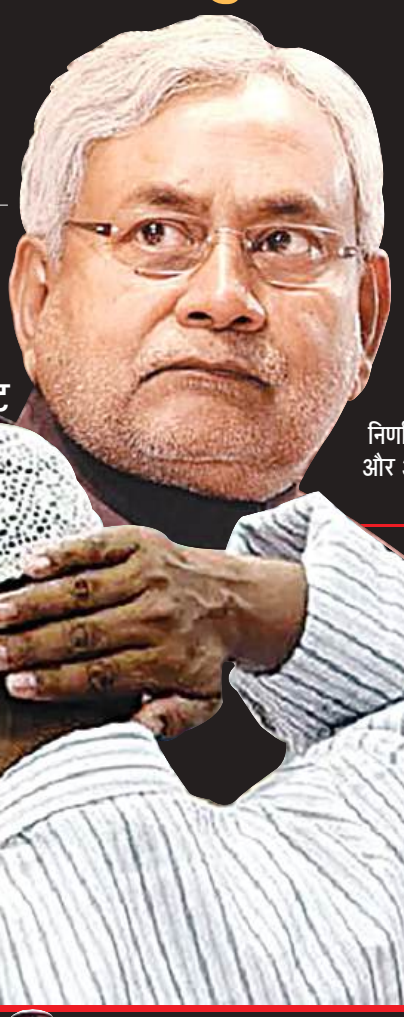

बिहार में नीतीश की अग्निपरीक्षा

बिहार में नीतीश कुमार स्वयं को एक धर्मनिरपेक्ष नेता के रूप में प्रस्तुत करते हैं। वक्फ बिल के पास होने के बाद नीतिश की छवि को जर्बदस्त धक्का लगा है। बिहार में मुस्लमान जितने बीजेपी से नाराज नहीं है उससे ज्यादा नीतिश कुमार से नाराज है। बिहार में मुस्लिम मतदाता की संख्या लगभग 17 फीसदी है और वे चुनाव परिणामों को निर्णायक रूप से प्रभावित कर सकते हैं। तेजस्वी यादव और आरजेडी इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाकर नीतीश कुमार को कटघरे में खड़ा कर चुके हैं।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उबाल

बिल पास होने के बाद उन पश्चिमी उत्तर प्रदेश की सियासत में उथल पुथल है। पश्चिम की सियासत करने वाले जयंत चौधरी ने इस बार जाट-मुस्लमान का काकटेल बना कर सियासी जीत दर्ज की थी। खास विधानसभा से रालोद के गुलाम मोहम्मद ने चुनाव जीता था वहीं थाना भवन विधानसभा से रालोद के अशरफ अली खान ने सुरेश राणा जैसे बीजेपी के हिंदूवादी नेता को हराया था। अब इन दोनों विधाकयों से वहां की जनता सवाल पूछ रही है कि उन्होंने बिल पास होने से रोकने के लिए क्या किया। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा मसूद ने पार्टी से किनारा अख्तियार कर लिया है और शेष पदाधिकारी खामोश है और सियासी पाला बदलने के मूड में है।

वक्फ विधेयक को बहुत जल्द सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी कांग्रेस-डीएमके

डीएमके के बाद कांग्रेस भी वक्फ विधेयक के खिलाफ सुप्रीकोर्ट जाएगी। कांग्रेस ने कहा कि वह संसद में पारित 'वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025' की सवैधानिकता को ''बहुत जल्द'' उच्चतम न्यायालय में चुनौती देगी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, '' 'कांग्रेस वक्फ (संशोधन) विधेयक की सवैधानिकता को उच्चतम न्यायालय में बहुत जल्द चुनौती देगी।''हम भारत के संविधान में निहित सिद्धांतों, प्रावधानों और परंपराओं पर मोदी सरकार के सभी हमलों का विरोध करते रहेंगे।'' रमेश ने कहा कि कांग्रेस ने 'नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) 2019' को चुनौती दी जिस पर उच्चतम न्यायालय में सुनवाई जारी है। उन्होंने कहा कि 'आरटीआई (सूचना का अधिकार) अधिनियम, 2005' में 2019 के संशोधनों को भी कांग्रेस ने चुनौती दी जिस पर उच्चतम न्यायालय में सुनवाई जारी है। निर्वाचन का संचालन नियम (2024)' में संशोधनों की वैधता को कांग्रेस ने चुनौती दी और उसकी उच्चतम न्यायालय में सुनवाई हो रही है।

बीजेपी को मिलेगा चुनावी हार का रिर्टन गिफ्ट

ज्यादातर मुस्लमान गैर भाजपाई हिंदुओं के साथ मिलकर ईद पर मिले इस तोहफे का बीजेपी को चुनाव में परास्त कर देने के रिर्टन गिफ्ट के मूड में हैं। मुस्लिम धर्म गुरू मौलाना कल्बे जव्वाद बीजेपी की खुल कर मुखालफत कर रहे हैं। उन्होंने मुस्लमानों से वीडियो संदेश जारी कर अपील की है कि वह बीजेपी को रिर्टन गिफ्ट के तौर पर चुनावी हार दे। उन्होंने कहा कि शांतिप्रिय मुसलमान वोट वाले दिन घरों से निकले और बीजेपी को हाराने का काम करे। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद सैयद नसिर हुसैन ने कहा कि हमारे दान के मकसद से बनाए गए इदारों की देखरेख करने के लिए वक्फ बोर्ड बनाया गया है। सरकार की नजर बोर्ड की सम्पित्तियों पर है। रेलवे के बाद देश में सबसे ज्यादा सम्पत्ति वक्फ बोर्ड के पास है। उन्होंने सवाल पूछा कि इस देश में एंडोमेंट बोर्ड है, इस देश में हिंदू रिलिजियस प्लेसिस एक्ट है, इस देश में एसजीपीसी है, टेंपल भी ट्रस्ट है, क्रिश्चियन के लिए काउंसिल और कॉरपोरेशन है। हर धर्म के मामलों के नियमन के लिए अलग-अलग एक्ट बनाए गए हैं। तो फिर मुसलमानों के वक्फ बोर्ड से इतनी दिक्कत क्यों है? सपा नेता जावेद खान ने बताया कि पहले से इस बिल को पास करने की प्लानिंग थी। यह बिल असंवैधानिक है और मुसलमानों को कमजोर करने के लिए लाया गया है। उन्होंने कहा कि पूरे देश ने विपक्ष की एकता को देख लिया। अब यही एकता इनको चुनाव में हराने का काम करेगी।

केंद्र सरकार वक्फ बिल को जल्दबाजी में लाई : मायावती

» बसपा प्रमुख बोलीं- वक्फ संशोधन बिल से हम सहमत नहीं, दुरुपयोग होने पर मुसलमानों का देंगे साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वक्फ संशोधन बिल पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि अगर इसका दुरुपयोग हुआ तो बसपा मुसलमानों के साथ खड़ी होगी। उन्होंने कहा कि जनता को इसे समझने के लिए और समय देना चाहिए था। वक्फ संशोधन बिल पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि केंद्र सरकार इस बिल को जल्दबाजी में लाई है। अगर इस बिल को समझने के लिए जनता को और समय दिया जाता तो अच्छा होता।

एक्स पर जारी किए गए बयान में उन्होंने कहा कि संसद में वक्फ संशोधन बिल पर सत्ता पक्ष व विपक्ष को सुनने के बाद, निष्कार्ष यही निकलता है कि केन्द्र सरकार यदि जनता को इस बिल को समझने के लिए कुछ और समय दे देती तथा उनके सभी सन्देहों को भी दूर करके जब इस बिल को लाती तो यह बेहतर होता। उन्होंने कहा कि दु:ख की बात यह है कि सरकार ने इस बिल को बहुत जल्दबाजी में लाकर इसे पास कराया है। यह उचित नहीं और अब इस बिल के पास हो जाने पर यदि सरकारें इसका दुरुपयोग करती हैं तो फिर पार्टी मुस्लिम समाज का पूरा साथ देगी अर्थात् ऐसे में इस बिल से पार्टी सहमत नहीं है। लेकिन दु:ख की बात यह है कि सरकार ने इस बिल को बहुत जल्दबाज़ी में लाकर जो इसे पास कराया है यह उचित नहीं और अब इस बिल के पास हो जाने पर यदि सरकारें इसका दुरुपयोग करती हैं तो फिर पार्टी मुस्लिम समाज का पूरा साथ देगी अर्थात् ऐसे में इस बिल से पार्टी सहमत नहीं है। बता दें कि वक्फ संशोधन बिल को लोकसभा और राज्यसभा में पास कर दिया गया है अब जल्द ही मंजूरी के लिए राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। उनकी यह टिप्पणी बृहस्पतिवार देर रात को राज्यसभा द्वारा विधेयक को पारित करने के बाद आई। मायावती ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पर सत्ता व विपक्ष को सुनने के बाद निष्कर्ष यही निकलता है कि केंद्र सरकार अगर जनता को इस विधेयक को समझने के लिए कुछ और समय दे देती तथा उनके सभी संदेहों को भी दूर करके इस विधेयक को लाती, तो बेहतर होता।

प्रदेश के जिला और शहर अध्यक्षों से मिले राहुल गांधी

» कल रात दिल्ली पहुंचे थे पदाधिकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के सभी जिलाध्यक्षों और महानगर अध्यक्षों की बैठक शक्रवार को दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में हुई। बैठक में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे संवाद करेंगे। माना जा रह है कि शीर्ष नेतृत्व जिला व महानगर अध्यक्षों से यहां के सियासी हालात की जानकारी लेकर भविष्य की रणनीति बनाएगा।

पार्टी के ज्यादातर जिला व शहर अध्यक्ष बृहस्पतिवार देर रात ही दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं।

जिलाध्यक्षों ने बताया कि उनसे अपने जिले के सामाजिक समीकरण, विधानसभा क्षेत्रवार सियासी हालात के आंकड़े जुटाने को कहा गया है। मौका मिला तो शीर्ष नेतृत्व को उससे वाकिफ कराएंगे।

राहुल गांधी मानहानि केस में गवाह की गैरमौजूदगी से फिर टली सुनवाई, नहीं पेश हुआ गवाह

सुल्तानपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में गुरुवार को एक बार फिर सुनवाई टल गई। एमपी/एमएलए कोर्ट में सुनवाई के दौरान परिवादी पक्ष की ओर से गवाह पेश नहीं किया जा सका जिसके चलते अब अगली सुनवाई की तिथि 15 अप्रैल तय की गई है। गौरतलब है कि भाजपा नेता विजय मिश्रा ने 2018 में राहुल गांधी के खिलाफ यह मामला दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने एक अभद्र टिप्पणी की थी जिससे वे आहत हुए। करीब पांच साल चली कानूनी प्रक्रिया के दौरान राहुल गांधी कोर्ट में पेश नहीं हुए जिसके चलते दिसंबर 2023 में अदालत ने उनके खिलाफ वारंट जारी किया था। इसके बाद फरवरी 2024 में राहुल गांधी ने कोर्ट में सरेंडर किया जहां उन्हें 25-25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दी गई थी।

महिला कांग्रेस की कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन, पुलिस से झड़प

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महिला आरक्षण विधेयक और महिला सुरक्षा के मुद्दे पर बृहस्पतिवार को महिला कांग्रेस की कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। लखनऊ सहित विभिन्न जिलों में हुए प्रदर्शनों में पुलिस, प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की गई और अधिकारियों के माध्यम से राज्यपाल और राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा गया।

मध्य जोन की अध्यक्ष ममता हुईं घायल

प्रदर्शन के दौरान पुलिस से धक्का मुक्की में मध्य जोन की अध्यक्ष ममता चौधरी घायल हो गईं। बेहोश होने पर उन्हें सिविल अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई।

लखनऊ में पार्टी मुख्यालय पर एकत्र हुईं महिलाओं ने तख्तियों, बैनरों एवं झंडों के साथ नारेबाजी करते हुए विधानभवन की ओर कूच किया। इस पर पुलिस ने बलपूर्वक उन्हें रोक लिया। महिलाएं नारेबाजी करते हुए बैरिकेड पर चढ़ गईं और पुलिस से धक्का-मुक्की भी हुई। नाराज महिला कार्यकर्ता सड़क पर ही धरने पर बैठ गईं। प्रदर्शनकारी महिला आरक्षण को लागू करने, महिलाओं की अस्मिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं महिलाओं की बेहतरी की मांग कर रही थीं।

प्रदर्शन में प्रदेश महिला कांग्रेस की निवर्तमान अध्यक्षों में शहला अहरारी (पूर्वी), ममता चौधरी (मध्य) एवं करिश्मा ठाकुर (बुंदेलखंड), अनामिका यादव, उरूषा राणा, सुशीला शर्मा, विभा त्रिपाठी, शीला मिश्रा, डॉ. रिचा शर्मा, सिद्धिश्री, मेहताब जायसी, शिफा खान, किरन शर्मा, आरिफा उत्साही, तनवीर फातिमा, मीनाक्षी कौल समेत बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं।

ट्रंप के फैसले से लगेगा भारतीय अर्थव्यवस्था को झटका : राघव

» आप सांसद का मोदी पर तंज, कहा- अच्छा सिला दिया तुने मेरे प्यार का

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। अमेरिका से अवैध भारतीयों को डिपोर्ट किए जाने के बाद अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला लिया है। हालांकि अमेरिकी प्रेसिडेंट ट्रंप ने अकेले भारत पर ही नहीं बल्कि अन्य देशों पर भी यह टैरिफ लगाया है। वहीं इस फैसले के बाद भारत में विपक्षी नेताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार पर सवाल उठाने भी शुरू कर दिए हैं।

आम आदमी पार्टी (आप) से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने मोदी सरकार पर तंज कसा है। राघव चड्ढा ने फिल्मी अंदाज में कहा कि अच्छा सिला दिया तुने मेरे प्यार का। राघव चड्ढा ने कहा कि भारत ने अमेरिका के साथ दोस्ती निभाने में कोई कसर नहीं छोड़ी लेकिन इसका क्या सिला मिला! राघव चड्ढा ने कहा कि ट्रंप के इस फैसले से भारत की अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका लग सकता है। उन्होंने कहा कि यहां तक केंद्रीय वित्त मंत्री ने गूगल टैक्स को हटा दिया था ताकि अमेरिकन कंपनियों पर इसका बोझ न पड़े। बावजूद इसके हमें उसके बदले में क्या मिला। अमेरिका के इस फैसले से भारतीय कंपनियों पर बड़ा असर पड़ेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार इस मुद्दे पर उचित कदम उठाएगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह टैरिफ इसलिए लगाया है, क्योंकि उनका कहना है कि भारत अमेरिकी उत्पादों पर अधिक टैरिफ लगाता है। उन्होंने एक चार्ट दिखाते हुए कहा कि भारत अमेरिका से आने वाले उत्पादों पर 56 फीसदी टैरिफ लगाता है, जिसमें मुद्रा हेरफेर और व्यापारिक अवरोध भी शामिल हैं।

अमेरिका ने भारत पर 26 फीसदी रियायती जवाबी टैरिफ लगाने का फैसला किया है। चार्ट में यूरोपीय संघ, भारत, चीन और ब्रिटेन जैसे देशों की ओर से लगाए गए टैरिफ और अब इन देशों पर लगाए जाने वाले पारस्परिक टैरिफ दर्शाए गए थे।

महत्वपूर्ण मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए बनाए जा रहे कानून : गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» केंद्र सरकार पर बिफरे राजस्थान के पूर्व सीएम

जयपुर। वक्फ संशोधन बिल 2024 लोकसभा में 12 घंटे की चर्चा के बाद पास हो गया। इसे लेकर विपक्ष सत्ता पक्ष पर हमलावर है। इसी कड़ी में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, शेयर बाजार में गिरावट और रुपये के अवमूल्यन जैसे अहम मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए बार-बार अल्पसंख्यक समुदाय को निशाने पर लेने वाले कानून बनाए जा रहे हैं।

गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि इससे पहले नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के दौरान भी ऐसा देखा गया। उन्होंने कहा, यह कानून 2020 में बना, लेकिन इसके नियम 2024 में बनाए गए। फिर भी, राजनीतिक लाभ लेने के लिए इसे बार-बार उछाला गया और देश में तनाव पैदा किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री ने वक्फ को लेकर बनाए गए नए कानून पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कानून की कोई आवश्यकता नहीं थी, लेकिन इसे बहुसंख्यक समुदाय का ध्यान जरूरी मुद्दों से हटाने और अल्पसंख्यकों में भय पैदा करने के लिए लाया गया है। साथ ही, उन्होंने कहा कि यह कानून दोनों समुदायों के बीच तनाव पैदा करने का एक माध्यम बन सकता है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

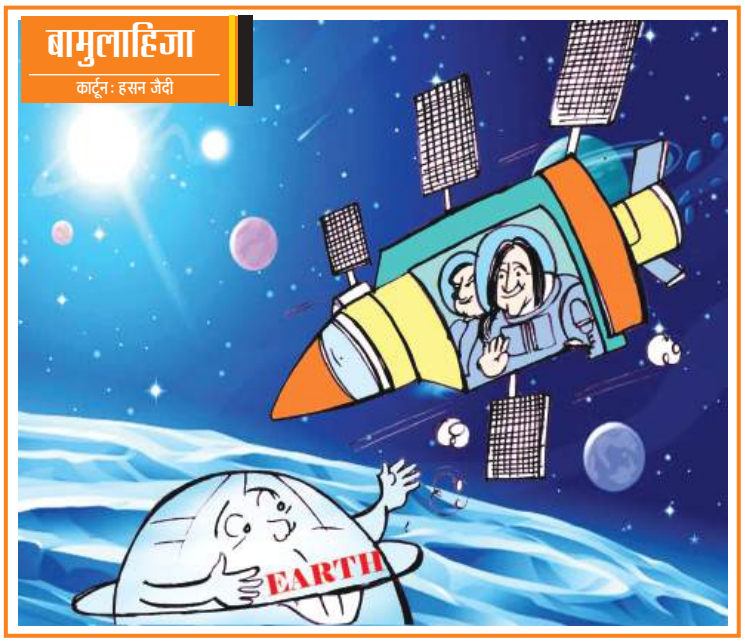

वक्फ विधेयक संविधान के अनुच्छेद 25 का उल्लंघन : अब्दुल रहीम राथर

» जम्मू-कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष ने दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। केंद्र सरकार ने लोकसभा व राज्य सभा में वक्फ संशोधन विधेयक पास करा लिया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए जम्मू-कश्मीर विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने कहा, संविधान का अनुच्छेद 25 भारत के लोगों को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है।

मुझे लगता है कि कल का विधेयक संविधान द्वारा प्रदत्त उस अधिकार का उल्लंघन करता है।

वहीं, भाजपा नेता रविंदर रैना ने कहा, वक्फ संशोधन विधेयक पर संसद में जो बहस हुई, उससे एक बात साफ हो गई है कि वक्फ की लाखों-करोड़ों की संपत्ति पर अवैध कब्जा किया गया है। यह विधेयक वक्फ बोर्ड में व्याप्त कुप्रबंधन को दूर करने के लिए लाया गया है। वक्फ के अधीन संपत्तियां हमारे मुस्लिम भाइयों के कल्याण के लिए सामाजिक और धार्मिक कार्यों के लिए दान की गई हैं और उनके प्रबंधन के लिए यह कानून लाया गया है।

महाराष्ट्र की सियासी धुरी बना ठाकरे परिवार

दिशा सालियान को लेकर फिर फंसे आदित्य ठाकरे

- उद्धव, आदित्य व राज बने चर्चा का विषय
- मराठी बनाम अन्य का मुद्दा भी फिर उछला
- कामरा को लेकर भी ठाकरे हुए मुखर

4पीएम न्यूज नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। शिवाजी, संभाजी व औरंगजेब की बाते अभी थमीं नहीं कि एकबार फिर ठाकरे परिवार के प्रमुख सदस्य चर्चा में बने हुए हैं। जहां यूबीटी शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे महायुति सरकार पर प्रहार को लेकर सुर्खियां बटोर रहें हैं तों उनके पुत्र दिशा सालियान मर्डर मामले में फिर पूरे देश में छाए हुए हैं।

वहीं उनके चाचा व उद्धव के चचेरे भाई राज ठाकर पहले महाकुंभ पर दिए बयान को लेकर भाजपा के निशाने पर आए थे अब मराठी भाषा के इस्तेमाल को लेकर बैंकों को चेतावनी पर महाराष्ट्र में बवाल होना तय हो गया। मुंबई में काम करने वाले एक सुरक्षा गार्ड को कथित तौर पर मराठी न बोल पाने के कारण मनसे कार्यकर्ताओं ने पीटा था। घटना का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें मनसे कार्यकर्ता मुंबई के पवई में सुरक्षा गार्ड को डांटते हुए दिखाई दे रहे थे। एक कार्यकर्ता मराठी में बात न कर पाने के कारण उस व्यक्ति को थप्पड़ मारता हुआ दिखाई दे रहा है। यह पहली बार नहीं है जब मनसे ने मराठी भाषा के मुद्दे पर आक्रामक रुख अपनाया है।

मराठी न बोल पाने के कारण मनसे कार्यकर्ताओं ने किया बवाल

इससे पहले, मुंबई में काम करने वाले एक सुरक्षा गार्ड को कथित तौर पर मराठी न बोल पाने के कारण मनसे कार्यकर्ताओं ने पीटा था। घटना का एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें मनसे कार्यकर्ता मुंबई के पवई में सुरक्षा गार्ड को डांटते हुए दिखाई दे रहे थे। एक कार्यकर्ता मराठी में बात न कर पाने के कारण उस व्यक्ति को थप्पड़ मारता हुआ दिखाई दे रहा है। यह पहली बार नहीं है जब मनसे ने मराठी भाषा के मुद्दे पर आक्रामक रुख अपनाया है। जब राज ठाकरे ने 2006 में शिवसेना से अलग होकर पार्टी बनाई थी, तो उनका एक प्रमुख एजेंडा मराठी मानुस (मराठी लोग) के अधिकारों की वकालत करना था। शुरुआती अभियानों में व्यवसायों को मराठी में अपना नाम प्रदर्शित करने के लिए मजबूर करना शामिल था, जिसके कारण हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए और पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ कानूनी मामले दर्ज किए गए।

मनसे ने फिर उठाया मराठी का मुद्दा

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने सभी राष्ट्रीयकृत बैंकों में मराठी को अनिवार्य बनाने की अपनी मांग को तेज कर दिया है, तथा अधिकारियों पर राज्य की आधिकारिक भाषा में लेनदेन और बातचीत करने के लिए दबाव बनाने के लिए एक नया प्रदर्शन शुरू किया है। अपने विरोध प्रदर्शन के हिस्से के रूप में मनसे कार्यकर्ताओं ने यस बैंक का दौरा किया, जहाँ उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से बैंक अधिकारियों को फूल और पत्थर दिए, जो उनकी मांग की याद दिलाने और चेतावनी देने का प्रतीक है। पार्टी ने घोषणा की है कि आज से सभी बैंकों में इसी तरह के प्रदर्शन किए जाएँगे। यह आक्रामक रुख मनसे प्रमुख राज ठाकरे के हाल ही में गुड़ी पड़वा रैली में दिए गए भाषण के बाद आया है, जहां उन्होंने आधिकारिक उद्देश्यों के लिए मराठी को अनिवार्य बनाने पर अपनी पार्टी के रुख को दोहराया था।

फिर उठा दिशा सालियान का मामला, आदित्य और उद्धव ठाकरे की बढेंगी मुश्किलें

सेलिब्रिटी मैनेजर दिशा सालियान के पिता ने मुंबई पुलिस आयुक्त और संयुक्त आयुक्त के समक्ष लिखित शिकायत दर्ज कराई, जिसमें महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे, अधिकारियों और बॉलीवुड अभिनेताओं पर 2020 में उनकी मौत में शामिल होने का आरोप लगाया गया। सालियान के पिता के वकील द्वारा प्रस्तुत शिकायत के अनुसार, आदित्य ठाकरे कथित तौर पर इस मामले को छुपाने में शामिल थे। वकील नीलेश ओझा ने आरोप लगाया कि मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने भी कथित कवर-अप में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने शिकायत में अभिनेता डिनो मोरिया और सूरज पंचोली का नाम भी लिया। उन्होंने एएनआई से कहा कि आज हमने सीपी ऑफिस में लिखित शिकायत (एफआईआर) दर्ज कराई है और जेसीपी क्राइम ने इसे स्वीकार कर लिया है...आरोपी हैं आदित्य ठाकरे, डिनो मोरिया, सूरज पंचोली और उनके अंगरक्षक परमबीर सिंह; सचिन वाजे और रिया चक्रवर्ती सभी इस एफआईआर में आरोपी हैं। परमबीर सिंह इस मामले को कवर-अप करने के मुख्य मास्टरमाइंड थे। उन्होंने आदित्य ठाकरे को बचाने के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और झूठ गढ़ा। सभी विवरण एफआईआर में हैं। एनसीबी के जांच पत्र से साबित होता है कि आदित्य ठाकरे एक ड्रग कारोबार में शामिल थे और इस विवरण का उल्लेख इस एफआईआर में किया गया है। वकील ने दिशा सालियान की मौत की नए सिरे से जांच और शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे से पूछताछ की मांग की। सुशांत सिंह राजपूत की मौत पर केंद्रीय जांच ब्यूरो की क्लोजर रिपोर्ट पर दिशा सालियान के पिता के वकील ने कहा कि रिपोर्ट का कानून के सामने कोई महत्व नहीं है और अदालत अभी भी संज्ञान ले सकती है और आगे की जांच का आदेश दे सकती है।

महाराष्ट्र में सरकार ही चला रही कॉमेडी शो : आदित्य

महाराष्ट्र में चुनाव आयोग के आशीर्वाद से बनी मौजूदा सरकार को अप्रैल फूल सरकार कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कई मुद्दों पर हमें गुमराह करने और मूर्ख बनाने की कोशिश की है,पहले, मुख्यमंत्री ने कहा था कि किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा। लेकिन अब उपमुख्यमंत्री (अजित पवार) कहते हैं कि ऐसा कुछ नहीं किया जाएगा। लाड़की बहन योजना भी बंद होने जा रही है क्योंकि सरकार के पास लाभार्थियों को देने के लिए कोई धन नहीं है। शिवसेना नेता संजय निरुपम द्वारा मुंबई में सड़कों पर मटन, मछली और मांस बेचने वाली दुकानों पर प्रतिबंध लगाने की मांग पर शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि हर राज्य वहां की संस्कृति और परंपराओं के अनुसार धर्म को परिभाषित करता है, इसलिए मैं बस इतना ही कह रहा हूं कि आप जिस हिंदुत्व का पालन करते हैं, उसे हम पर न थोपें। कुणाल कामरा विवाद पर उन्होंने कहा कि वे (सतारूढ़ सरकार) असली कॉमेडी कर रहे हैं। कॉमेडी देखने गए लोगों पर भी केस दर्ज होना चाहिए। महाराष्ट्र में चुनाव आयोग के आशीर्वाद से बनी मौजूदा सरकार को अप्रैल फूल सरकार कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने कई मुद्दों पर हमें गुमराह करने और मूर्ख बनाने की कोशिश की है...पहले, मुख्यमंत्री ने कहा था कि किसानों का कर्ज माफ किया जाएगा। लेकिन अब उपमुख्यमंत्री (अजित पवार) कहते हैं कि ऐसा कुछ नहीं किया जाएगा। इससे पहले शिवसेना (उबाठा) नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने मांग की थी कि जिन लोगों ने कॉमेडियन कुणाल कामरा के विवादास्पद शो की रिकॉर्डिंग किए जाने वाले मुंबई स्टूडियो में तोड़फोड़ की उनसे उनकी हिंसक कार्रवाई से हुए नुकसान की भरपाई करने के लिए कहा जाना चाहिए।

शिवसेना स्टाइल में होगा कामरा का स्वागत

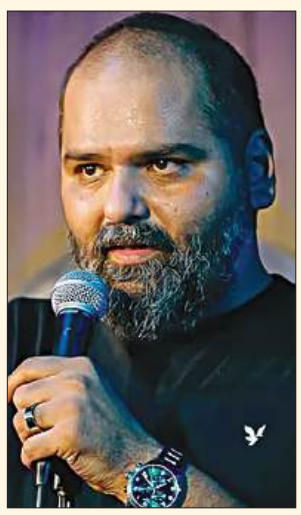

शिवसेना युवा सेना (शिंदे गुट) के महासचिव राहुल कनाल ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए, (शिवसेना) युवा सेना के सदस्य हर सोमवार और गुरुवार को पुलिस स्टेशन में उपस्थिति के लिए आते हैं। स्टैंड-अप कॉमेडियन कुणाल कामरा को लेकर विवाद कम होने का नाम नहीं ले रहा। शिवसेना की युवा सेना (शिंदे गुट) के राहुल कनाल ने सोमवार को एक बार फिर कहा है कि पार्टी कुणाल कामरा का अच्छी शिवसेना शैली में स्वागत करेगी, जब भी वह महाराष्ट्र में प्रवेश करेंगे। राहुल कनाल, जिन्हें पहले 11 अन्य शिवसेना कार्यकर्ताओं के साथ मुंबई के हैबिटेट स्टूडियो में तोड़फोड़ करने के लिए गिरफ्तार किया गया था और जमानत दे दी गई थी। कुणाल कामरा ने कथित तौर पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बारे में एक मजाक किया था। शिवसेना युवा सेना (शिंदे गुट) के महासचिव राहुल कनाल ने कहा कि कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए, (शिवसेना) युवा सेना के सदस्य हर सोमवार और गुरुवार को पुलिस स्टेशन में उपस्थिति के लिए आते हैं। हम अदालत के फैसले का स्वागत करते हैं जो उन्हें राहत देता है, लेकिन यह केवल 7 अप्रैल तक है। उन्हें आना चाहिए और कानून का सामना करना चाहिए। उन्होंने कहा कि चाहे उन्हें वहां (तमिलनाडु में) कितनी भी सुरक्षा क्यों न मिली हो, जब भी वे मुंबई आएंगे, उनका स्वागत अच्छे शिवसेना स्टाइल में किया जाएगा। यह कोई धमकी नहीं है। उन्होंने कहा कि मुंबई में अतिथि देवो भव की संस्कृति है और वे खुद को अब यहां (मुंबई में) अतिथि मानते हैं। डरने की क्या बात है, उन्हें कानून का सामना करना चाहिए और प्रक्रिया का पालन करना चाहिए। अपनी व्यंग्यात्मक कॉमेडी और बेबाक विचारों के लिए मशहूर कुणाल कामरा को अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में शिकायतों के बाद कानूनी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। महाराष्ट्र में एफआईआर दर्ज की गई है, जिसके चलते कॉमेडियन ने आरोपों का मुकाबला करने की तैयारी करते हुए गिरफ्तारी से कानूनी सुरक्षा की मांग की है।

2007-08 में यूपी व बिहार वालों को भगाया था

2007-08 में मनसे कार्यकर्ताओं ने रेलवे भर्ती परीक्षा के लिए मुंबई आए उत्तर प्रदेश और बिहार के उम्मीदवारों पर हमला किया था। उनका तर्क था कि महाराष्ट्र में नौकरियों में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इस घटना से पूरे देश में आक्रोश फैल गया और सभी दलों के नेताओं ने मनसे की हरकतों की निंदा की। मनसे ने मनोरंजन क्षेत्र में भी हस्तक्षेप किया है और मल्टीप्लेक्स पर मराठी फिल्मों के लिए स्क्रीन आवंटित करने का दबाव बनाया है। पार्टी ने चेतावनी दी कि अगर मराठी सिनेमा को दरकिनार किया गया तो इसके परिणाम भुगतने होंगे, जिसके बाद थिएटर मालिकों ने इसका पालन किया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक करने का आदेश अच्छा कदम

भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने एक महत्वपूर्ण फैसला दिया है। उन्होंने सभी जजों को अपनी संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक करने का आदेश दिया है। ये निणर्य एक नजीर साबित हो सकता है। अर न्यायिक कार्य के महत्वपूर्ण लोग अपनी संपत्ति का खुलासा करेंगे तो कार्यपालिका व विधायिका के लोगों के ऊपर दबाव पड़ेगा तो वो भी अपनी कमाई का खुलासा करने को मजबूर होंगे। ऐसी सूचना है कि सीजेआई सहित तीस न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति की घोषणा प्रस्तुत की है। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट में कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट की पूर्ण अदालत ने संकल्प लिया था कि न्यायाधीशों को पदभार ग्रहण करने पर अपनी संपत्ति की घोषणा करनी चाहिए, और जब भी कोई महत्वपूर्ण प्रकृति का अधिग्रहण किया जाता है, तो मुख्य न्यायाधीश को इसकी घोषणा करनी चाहिए। इसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की गई घोषणा भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर संपत्ति की घोषणा स्वैच्छिक आधार पर होगी।

पारदर्शिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों ने सामूहिक रूप से पदभार ग्रहण करने पर अपनी संपत्ति की घोषणा सार्वजनिक करने पर सहमति जताई है। गुरुवार को पूर्ण न्यायालय की बैठक के दौरान, न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का खुलासा करने का संकल्प लिया, जिसे सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराया जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय की वेबसाइट के अनुसार, संपत्ति की घोषणा का प्रकाशन पूरी तरह से स्वैच्छिक होगा, जिससे न्यायाधीशों को अपने वित्तीय विवरण सार्वजनिक करने में विवेक का प्रयोग करने की अनुमति मिलेगी। जब भी कोई महत्वपूर्ण प्रकृति का अधिग्रहण किया जाता है, तो मुख्य न्यायाधीश को इसकी घोषणा करनी चाहिए। इसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की गई घोषणा भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर संपत्ति की घोषणा स्वैच्छिक आधार पर होगी। बता उें एक वेबसाइट के मुताबिक भारत में एक हाई कोर्ट के जज की सैलरी प्रति माह 2.25 लाख रहती है। इसे दूसरे शब्दों में कहें तो एक जज को रोज के 7500 रुपये मिलते हैं। वहीं हाई कोर्ट के जो चीफ जस्टिस होते हैं, उन्हें महीने के 2.50 लाख रुपये मिलते हैं। अभी हाल में जस्टिस वर्मा के यहां से जले नोटों का मिलना एक गंभीर सवाल खड़े कर गया। कोर्ट के इस फैसले का स्वागत होना चाहिए। अब न्यायपालिका की तरह कार्यपालिका व विधायिका को भी अपने सारे कर्मियों से उनकी संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक मंचों पर जारी करने के निर्देश देना चाहिए। इस फैसले आने वाले समय में भ्रष्टाचार पर कुछ हद तक लगाम लग सकती है।

“ सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट में कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट की पूर्ण अदालत ने संकल्प लिया था कि न्यायाधीशों को पदभार ग्रहण करने पर अपनी संपत्ति की घोषणा करनी चाहिए, और जब भी कोई महत्वपूर्ण प्रकृति का अधिग्रहण किया जाता है, तो मुख्य न्यायाधीश को इसकी घोषणा करनी चाहिए। इसमें भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा की गई घोषणा भी शामिल है। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर संपत्ति की घोषणा स्वैच्छिक आधार पर होगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नेपाली राजशाही के लिए हिंसक प्रतिरोध के निहितार्थ

पुष्परंजन

वो गुजरा जमाना था, जब राजा बीरेंद्र और रानी ऐश्वर्या की एक झलक पाने, और उनकी आवाज़ सुनने के लिए लोग उमड़ पड़ते थे। वर्ष 1990 में लोकतंत्र की बहाली के बाद भी बीरेंद्र की आभा फीकी नहीं पड़ी थी, जब उन्होंने अपनी पूर्ण सत्ता त्याग दी थी, और राजनीतिक दलों को राज्य के मामलों का प्रभार सौंप दिया था। यहां तक, कि माओवादियों ने भी, जिन्होंने कड़ी मेहनत से हासिल की गई राजनीतिक व्यवस्था के खिलाफ विद्रोह छेड़ा था, राजा की ज्यादा आलोचना नहीं की। न ही उन्होंने शुरू में रॉयल नेपाल आर्मी पर हमला किया, जबकि देश भर में पुलिस चौकियों पर हमले हो रहे थे। इसके बाद नेपाली राजशाही के 240 साल के इतिहास में सबसे बड़ा रहस्यमय और दुर्भाग्यपूर्ण पल सामने आया। वर्ष 2001 में बीरेंद्र के परिवार को भारी सुरक्षा वाले शाही महल में गोली मार दी गई। इसके बाद शुरू शाही जांच में तत्कालीन युवराज दीपेंद्र को नरसंहार के लिए दोषी ठहराया गया, जबकि वे कुछ दिनों तक बेहोश रहे, उन्हें कोमा में राजा घोषित किया गया, और उनकी मृत्यु हो गई।

यह जांच बीरेंद्र के दो भाइयों में से पहले, ज्ञानेंद्र की निगरानी में हुई। ज्ञानेंद्र की नीयत पर सवाल भी उठाये गए। फिर जांच की लीपापोती हो गई। ज्ञानेंद्र और उनके पुत्र प्रिंस पारस की सार्वजनिक छवि उतनी अच्छी नहीं थी। लोग यह मानने को तैयार नहीं थे कि युवराज दीपेंद्र ने अकेले ही अपने पिता, माता, भाई, बहन और दादी को गोली मार दी होगी। दरबार हत्याकांड विदेशी षड्यंत्र भी साबित नहीं हो पाया। ज्ञानेंद्र 1950 के दशक में पहली बार चार साल की उम्र में राजगद्दी पर बैठे थे। तब ज्ञानेंद्र के दादा, राजा त्रिभुवन ने राणाओं के खिलाफ विद्रोह किया था, और दिल्ली निर्वासित हो गए थे। हालात ने उन्हीं ज्ञानेंद्र को 4 जून, 2001 को दोबारा से ताज पहनने का अवसर दिया। ज्ञानेंद्र ने पांच साल के कालखंड में लोकतांत्रिक ताकतों को अलग-थलग कर दिया। अंतत: सत्ता में आये माओवादियों ने 28 मई, 2008 को नेपाल की संविधान सभा के जरिये राजशाही समाप्त कर दी। लेकिन, पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र और उनके परिवार को आवास, सुरक्षा सुविधाएं शासन द्वारा दिया जाना जारी रहा।

नेपाल में जब तक राजाशाही थी, नरेश भगवान विष्णु के अवतार और हिन्दू राष्ट्र के संरक्षक माने जाते थे। विगत कुछ वर्षों से राजशाही समर्थक हिंदू राष्ट्र की वापसी के एजेंडे को सुलगाने लगे थे। 11 मार्च, 2025 को

खबर आई कि नेपाल में इस एजेंडे के समर्थकों ने राजा ज्ञानेंद्र के साथ उ.प्र. के मुख्यमंत्री योगी की तस्वीर भी लहराते हुए नारे लगाए। पूर्व राजा ज्ञानेंद्र उससे पहले, 30 जनवरी, 2025 को गोरखपुर अपने इष्ट देव, गुरु गोरखनाथ को खिचड़ी चढ़ाने आये थे, तब उन्होंने यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात की थी। गत 1 अप्रैल, 2014 को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के नेता अशोक सिंघल ने कहा था, कि अगर नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री बनते हैं, तो नेपाल हिंदू राष्ट्र बन जाएगा। फिर चौतारा में एक मंच योगी आदित्यनाथ के साथ साझा करते हुए, अशोक सिंघल ने वही बात दोहराई कि हिन्दू राष्ट्र और राजतंत्र की वापसी होगी। 17 नवंबर, 2015 को 89 वर्ष के अशोक सिंघल, गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में सिधार गए, नेपाल को हिन्दू राष्ट्र दोबारा से बनाने का सपना अधूरा रह गया। इस बीच, परदे के पीछे से ज्ञानेंद्र के लोग दिल्ली दरबार से संपर्क साधते रहे. अपरोक्ष रूप से ज्ञानेंद्र ने अपने दो निकटस्थ ज्योतिरादित्य सिंधिया और डॉ. कर्ण सिंह से भी राजशाही वापसी में मदद की उम्मीद तोड़ी नहीं थी। ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां, माधवी राजे (किरण राज्य लक्ष्मी देवी), नेपाल के शाही परिवार से थीं। और डॉ. कर्ण सिंह की पत्नी महारानी यशो राज्य लक्ष्मी नेपाल के अंतिम राणा प्रधानमंत्री मोहन शमशेर जंग बहादुर परिवार से। दोनों अब दिवंगत हैं, लेकिन नेपाल के शाही परिवारों से भारतीय रजवाड़ों का भावनात्मक रिश्ता बरक़रार है। यह कहना कठिन है, कि हिन्दू राष्ट्र समर्थक दिल्ली के राजनीतिक गलियारों से कितनी मदद ज्ञानेंद्र के लोगों को मिल रही है, लेकिन नैतिक समर्थन मिलने से कोई इंकार नहीं कर सकता।

विगत शुक्रवार को जो कुछ काठमांडो में हुआ, वो वीभत्स और विनाशकारी था। उस दिन टिंकुने में राजभक्तों का प्रदर्शन हिंसा में परिवर्तित हो गया, जब दुर्गा प्रसाई जीप दौड़ाकर सुरक्षाकर्मियों और प्रत्यक्षदर्शियों को कुचलने की कोशिश करने लगे। हिंसक भीड़ ने जड़ीबूटी प्रोसेसिंग एंड प्रोडक्शन कंपनी के आठ वाहनों को जला दिया, सीपीएन के मुख्यालय में आग लगा दी। कोटेश्वर में उन्होंने भटभटेनी सुपरमार्केट को लूट लिया, और जमकर तोड़फोड़ की। उग्र भीड़ ने पत्रकार सुरेश रजक पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी, जिससे उनकी वहीं झुलसकर मौत हो गई।

अंतरिक्ष मिशनों के लिए नये ऊर्जा विकल्प

डॉ. शशांक द्विवेदी

अंतरिक्ष में सेटेलाइट्स को निर्बाध ऊर्जा प्रदान करने में कई चुनौतियां होती हैं। अधिकतर सेटेलाइट्स सौर पैनलों से ऊर्जा प्राप्त करते हैं, लेकिन जब वे पृथ्वी की छाया में आते हैं (जैसे जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में), तो उन्हें ऊर्जा नहीं मिल पाती। यह समस्या पृथ्वी के चारों ओर घूमने वाले लो-अर्थ ऑर्बिट सेटेलाइट्स में अधिक होती है, क्योंकि वे बार-बार छाया में आते हैं। अंतरिक्ष में सेटेलाइट्स की उम्र बढ़ाने, उन्हें निर्बाध ऊर्जा प्रदान करने, उनके भार में कमी लाने और स्वच्छ ऊर्जा स्रोत प्रदान करने के उद्देश्य से विज्ञानी अब कोल्ड फ्यूजन तकनीक पर काम कर रहे हैं। हैदराबाद स्थित स्टार्ट-अप 'हाइलेनर टेक्नोलॉजीज' जल्द ही अंतरिक्ष में बिजली उत्पन्न करने के लिए इस तकनीक का प्रदर्शन करने की योजना बना रहा है। इसका उद्देश्य पृथ्वी की कक्षा में सेटेलाइट्स के जीवन को बढ़ाना और उनका वजन कम करना है। साथ ही अंतरिक्ष में लंबी अवधि के मिशन को सक्षम बनाने और अन्य ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करने का इसका उद्देश्य है।

कोल्ड फ्यूजन तकनीक, जिसे सामान्यत: 'लो-एनर्जी न्यूक्लियर रिएक्शन' के रूप में भी जाना जाता है, एक ऐसी अवधारणा है जो परमाणु संलयन को कम तापमान और दबाव पर संभव बनाने का दावा करती है। अगर यह तकनीक व्यावहारिक रूप से लागू हो सके, तो यह सैटेलाइट्स के लिए ऊर्जा उत्पादन में क्रांति ला सकती है। वर्तमान में सैटेलाइट्स मुख्य रूप से सौर ऊर्जा या रेडियोएक्टिव थर्मल जनरेटर पर निर्भर करते हैं, लेकिन इनकी सीमाएं हैं—सौर पैनल सूरज की रोशनी पर निर्भर करते हैं और आरटीजीएस की ऊर्जा धीरे-धीरे कम होती जाती है। कोल्ड फ्यूजन के जरिए अगर एक छोटा, हल्का और लंबे समय तक चलने वाला ऊर्जा स्रोत बनाया जा सके, तो सैटेलाइट्स का जीवनकाल बढ़ सकता है। यह तकनीक ईंधन की जरूरत को कम कर सकती है और अंतरिक्ष मिशनों को अधिक कुशल बना सकती है।

कोल्ड फ्यूजन का विचार पहली बार 1989 में वैज्ञानिकों मार्टिन फ्लाइशमैन और स्टैनली पॉन्स द्वारा प्रस्तुत किया गया था। उन्होंने एक साधारण प्रयोगशाला प्रयोग में ड्यूटेरियम (हाइड्रोजन का एक समस्थानिक) को पैलेडियम धातु में संलयन करके अतिरिक्त ऊष्मा उत्पन्न की। हालांकि, उनके प्रयोग को दोहराने की कोशिश करने वाले कई वैज्ञानिक असफल रहे, जिसके कारण इस दावे पर संदेह बढ़ गया। पारंपरिक परमाणु संलयन में, हाइड्रोजन के समस्थानिक जैसे ड्यूटेरियम और ट्रिटियम को अत्यधिक उच्च तापमान पर एक साथ लाया जाता है ताकि उनके बीच का कूलम्ब बैरियर पार हो सके। यह बैरियर दो धनात्मक आवेशित नाभिकों के बीच उत्पन्न होने वाली प्रतिकर्षण शक्ति है। कोल्ड फ्यूजन में, यह प्रक्रिया बिना उच्च तापमान के, सामान्य परिस्थितियों में हो सकती है। हाइलेनर टेक्नोलॉजी ने कम ऊर्जा वाले परमाणु रिएक्टर (एलईएनआर) का परीक्षण करने के लिए एक अन्य नवोदित फर्म टेकमी2स्पेस सेटेलाइट्स के साथ समझौता किया है। एलईएनआर बिजली उत्पन्न करने के लिए हाइड्रोजन फ्यूजन का उपयोग करता है। कोल्ड फ्यूजन की अनूठी विशेषता यह है कि यह फ्यूजन रिएक्शन के लिए खपत की गई बिजली के मुकाबले अधिक बिजली उत्पन्न करता है।

हाइलेनर टेक्नोलाजीज के संस्थापक और सीईओ सिद्धार्थ दुराइराजन ने बताया, 'प्रत्येक 100 वाट की इनपुट ऊर्जा के लिए एलईएनआर 178 वाट की आउटपुट थर्मल ऊर्जा उत्पन्न करता है।' उनका कहना कि परीक्षण एवं प्रक्षेपण के लिए कंपनी ने स्काईरूट और इसरो के छोटे उपग्रह प्रक्षेपण यान और ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) बुक किया है। गौरतलब है कि टेकमी2स्पेस अंतरिक्ष में कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर रहा है। इसका उपयोग अंतरिक्ष में डाटा केंद्रों को संचालित करने के लिए किया जा सकता है। उन्होंने कहा, 'क्यूबसैट पर ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (जीपीयू) बहुत अधिक गर्मी उत्पन्न करते हैं। हम उस गर्मी का दोहन करने और इसे सेटेलाइट में उपयोग करने योग्य ऊर्जा के रूप में परिवर्तित करने का प्रयास कर रहे हैं। इससे अंतरिक्ष में लंबी अवधि के मिशन और आफ-ग्रिड बिजली समाधानों के लिए नई संभावनाएं खुल सकती हैं।'

टेकमी2स्पेस के अनुसार उनकी कंपनी एलईएनआर सहित कई ऊर्जा प्रौद्योगिकियों की तलाश कर रही है ताकि कंप्यूट-केंद्रित सेटेलाइट्स में गर्मी निष्कर्षण और संभावित पुन: उपयोग के लिए प्रभावी तरीकों का आकलन किया जा सके। हाइलेनर के पास अपनी कम ऊर्जा परमाणु रिएक्टर तकनीक के लिए सरकार से प्राप्त पेटेंट है। यह तकनीक अंतरिक्ष अनुप्रयोगों के लिए गर्मी पैदा करने, कई अनुप्रयोगों के लिए भाप उत्पादन, वैश्विक स्तर पर ठंडे क्षेत्रों में कमरे को गर्म करने और घरेलू एवं औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए प्रेरण (इंडक्शन) हीटिंग के लिए इनपुट इलेक्ट्रिसिटी में वृद्धि करती है। उल्लेखनीय है कि सौर पैनल, बैटरी और अन्य उपकरणों की मदद से बिजली के उपभोग की वजह से किसी भी सेटेलाइट का भार 40-60 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। हाइलेनर का कोल्ड फ्यूजन डिवाइस और टेकमी2स्पेस का आफ-ग्रिड बिजली समाधान अंतरिक्ष में सेटेलाइट्स को बिजली समाधान प्रदान करने तथा अंतरिक्ष में लंबी अवधि के मिशन का प्रयास कर रहा है। यदि कोल्ड फ्यूज़न वास्तव में संभव हो सका, तो यह ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में एक क्रांति ला सकता है, क्योंकि यह स्वच्छ, सस्ता और असीमित ऊर्जा स्रोत प्रदान करेगा।

भए प्रगट कृपाला दीन दयाला...

चैत्र नवरात्रि का हर दिन सनातन धर्म में बहुत महत्व रखता है। लेकिन नवरात्रि का नवां दिन यानि रामनवमी का पवित्र दिन और भी विशेष हो जाता है। इस दिन भगवान राम की पूजा के साथ-साथ दुर्गा माता की भी पूजा की जाती है। हिंदु धर्म का अनुपम महाकाव्य रामायण वाल्मीकि द्वारा रचित है। त्रेतायुग की राम की कथा का इस महाकाव्य में वर्णन किया गया है। भारत के उत्तरी क्षेत्रों में नवरात्रि को ज्यादा महत्व दिया जाता है, लेकिन दक्षिण भारत में मात्र एक पर्व को मनाया जाता है। देवताओं और भक्तों को दुखों से मुक्त करने के लिए भगवान श्री विष्णु ने अपने आठवें अवतार के रूप ने मृत्यु लोक में जन्म लेकर रावण का नाश कर सभी देवताओं और भक्तों को दुखों व अत्याचारों से मुक्त किया। तब से लेकर आज तक यह दिन इस पर्व के नाम से मनाया जाता है।

रामनवमी का महत्व

रामनवमी के दिन मर्यादा पुरूषोत्तम राम का जन्म हुआ था जिनको भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। त्रेतायुग में अधर्म का नाश करने के लिए भगवान विष्णु ने यह अवतार लिया था। चैत्र शुक्ल पक्ष में नवमी के दिन पुनर्वसु नक्षत्र के समय में इनका जन्म पृथ्वी पर हुआ था। कर्क लग्न में राजा दशरत के घर में राजा राम ने रानी कौशल्या के गर्व से जन्म लिया था। रामनवमी के दिन को ही वसंत रात्रि का अंतिम दिन माना जाता है। सूर्य भगवान को मर्यादापुर्षोत्तम राम के पूर्वज के रूप में देखा जाता है इसलिए इस दिन सूर्य देव को जल चढ़ाया जाता है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन इस पर्व को रामनवमी के नाम से मनाया जाता है।

चैत्र नवरात्रि का यह अंतिम दिन श्री राम को समर्पित है। माता दुर्गा को प्रसन्न करने हेतु इस दिन की गयी पूजा का विशेष महत्व है। रामनवमी का पर्व भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया के कई हिस्सों में बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस बार रामनवमी का पर्व 6 अप्रैल को मनाया जायेगा।

शुभ मुहुर्त

पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि 5 अप्रैल 2025 को शाम 07 बजकर 26 मिनट से शुरू होकर 6 अप्रैल 2025 को शाम 07 बजकर 22 मिनट तक रहेगी। हिंदू धर्म में उदया तिथि को विशेष महत्व दिया जाता है, इसलिए इस साल राम नवमी 06 अप्रैल 2025 को मनाई जाएगी। इस दिन मंदिरों में विशेष अनुष्ठान होते हैं और राम जन्मभूमि अयोध्या में भव्य उत्सव मनाया जाता है।

पूजा विधि

रामनवमी के इस त्योहर पर लोग सुबह जल्दी उठ कर भगवान श्री राम की आराधना करना शुरू कर देते हैं। मंदिरों को सजाया जाता है। पूजा के समय आसन से उठना उचित नहीं माना जाता है, इसलिए पूर्ण पूजा सामग्री को पहले से ही भक्त अपने समीप रखते हैं। पूजा के प्रसाद में इस दिन खीर और फलों को दिया जाता है। रामचरितमानस के पाठ की इस दिन विशेष महत्ता है। इस पाठ को इस दिन करने से भक्त सभी कष्टों से मुक्त हो जातें हैं। यदि मंदिर जाना संभव न हो तो आप अपने घर में भी पूजा कर सकते है। पूजा के लिए सबसे पहले एक लकड़ी की चौकी लें। उसपर लाल रंग का एक कपड़ा बिछाएं। इसके बाद राम परिवार जिसमें भगवान राम, लक्ष्मणजी, माता सीता और हनुमान जी हो ऐसी मूर्ति गंगाजल से शुद्ध करके स्थापित करें। इसके बाद सभी को चंदन या रोली से तिलक करें। फिर उन्हें अक्षत, फूल, आदि पूजन सामग्री चढ़ाएं। इसके बाद घी का दीपक जलाकर राम रक्षा स्त्रोत, श्रीराम चालीसा और रामायण की चौपाइयों का पाठ तरें। आप चाहें तो इस दिन सुंदर कांड के पाठ या हनुमान चालीसा का पाठ भी कर सकते हैं।

हंसना मना है

प्रेमिका-'मेरी बड़ी इच्छा है कि अगले जन्म में मैं चांद बनूं। प्रेमी-'और मैं इस चंद्रमा पर उतरने वाला प्रथम अंतरिक्ष यात्री।

शशि-'ऑटोग्राफ देना कब बेहतर नहीं लगता?' विनोद-'जब पत्नी को चेक बुक पर देना पड़े।

टेलीफ़ोन ऑपरेटर से एक सज्जन ने दिल्ली का नंबर मिलाने का अनुरोध किया। ऑपरेटर ने कहा-'वहां बात करने का शुल्क 100 रुपये है।' उन सज्जन ने स्पष्ट किया-'मुझे बात नहीं करनी है, सिर्फ सुननी है, क्योंकि मैं अपनी पत्नी को ट्रंक कॉल कर रहा हूं।'

'आपको समुद्र-यात्रा बहुत लाभ पहुंचाएगी' सिग्रता से सिग्रता से प्रबन्ध कर लीजिए।' डॉक्टर ने खुद वकील मित्र से कहा। 'कोई लाभ नही डॉक्टर! मेरी पत्नी तैरना जानती है!'

अंग्रेज ने इंडियन से कहा-'आपके यहां बच्चे किसी के गोरा, किसी के काला होता है। ऐसा क्यों?' भारतीय ने कहा-'गधे एक ही रंग के होते हैं तथा घोड़े रंग-बिरंगे होते हैं।

कहानी — चोर की दाढ़ी में तिनका

एक बार की बात है, बादशाह अकबर की सबसे प्यारी अंगूठी अचानक गुम हो गई थी। बहुत ढूंढने पर भी वह नहीं मिली। इस कारण बादशाह अकबर चिंतित हो जाते हैं और इस बात का जिक्र बीरबल से करते हैं। इस पर बीरबल, महाराज अकबर से पूछते हैं, 'महाराज, आपने अंगूठी कब उतारी थी और उसे कहां रखा था।' बादशाह अकबर कहते हैं, 'मैंने नहाने से पहले अपनी अंगूठी को अलमारी में रखा था और जब वापस आया, तो अंगूठी अलमारी में नहीं थी।'फिर बीरबल, अकबर से कहते हैं, 'तब तो अंगूठी गुम नहीं चोरी हुई है और यह सब महल में साफ-सफाई करने वाले किसी कर्मचारी ने ही किया होगा।' यह सुनकर बादशाह ने सभी सेवकों को हाजिर होने को कहा। उनके कमरे में साफ-सफाई करने के लिए कुछ 5 कर्मचारी तैनात थे और पांचों हाजिर हो गए। सेवकों के हाजिर होने के बाद बीरबल ने उन सभी को कहा, 'महाराज की अंगूठी चोरी हो गई है, जो अलमारी में रखी थी। अगर आप में से किसी ने उठाई है, तो बता दे, वरना मुझे अलमारी से ही पूछना पड़ेगा।' फिर बीरबल अलमारी के पास जाकर कुछ फुसफुसाने लगे। इसके बाद मुस्कुराते हुए पांचों सेवकों से कहा, 'चोर मुझसे बच नहीं सकता है, क्योंकि चोर की दाढ़ी में तिनका है।' यह बात सुनकर उन पांचों में से एक ने सबसे नजर बचाकर दाढ़ी में हाथ फेरा जैसे कि वह तिनका निकालने की कोशिश कर रहा हो। इसी बीच बीरबल की नजर उस पर पड़ गई और सिपाहियों को तुरंत चोर को गिरफ्तार करने का आदेश दिया। जब बादशाह अकबर ने उससे सख्ती से पूछा, तो उसने अपना गुनाह काबुल कर लिया और बादशाह की अंगूठी वापस कर दी। बादशाह अकबर अपनी अंगूठी पाकर बेहद प्रसन्न हुए।

कहानी से सीख- इस कहानी से यह सीख मिलती है कि ताकत की जगह दिमाग का इस्तेमाल करने से हर समस्या का हल मिल सकता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। विवाद से क्लेश संभव है।

वृषभ — अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी। कार्य में विलंब होगा। व्यस्तता रहेगी।

मिथुन — पुराने शत्रु परेशान कर सकते हैं। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। प्रमाद न करें।

कर्क — नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा।

सिंह — कुसंगति से हानि होगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा।

कन्या — वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है।

तुला — शत्रु परास्त होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे।

वृश्चिक — लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी अपरिचित पर अतिविश्वास न करें। आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है।

धनु — किसी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। जल्दबाजी व लापरवाही न करें। अज्ञात भय सताएगा। प्रसन्नता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है।

मकर — सेहत का ध्यान रखें, पुराना रोग उभर सकता है। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें।

कुम्भ — प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। सुख के साधन जुटेंगे।

मीन — शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

बॉलीवुड | मन की बात

अब मुझे ट्रोलिंग से नहीं इमोशन से परेशानी होती है : सारा अली खान

सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी, बॉलीवुड अभिनेत्री सारा अली खान को सोशल मीडिया पर अपने अभिनय के लिए अक्सर आलोचना मिलती है। इसी मामले को लेकर सारा ने खुलकर बात की है। उन्होंने कहा है कि अब उन्हें ट्रोलिंग से परेशानी नहीं होती है बल्कि इमोशन से परेशानी होती है। सारा ने बताया कि वह ट्रोलिंग से निपटना सीख चुकी हैं। सारा ने कहा कि अब वह इन बातों को नजर अंदाज करना सीख गई हैं। इससे निपटने के लिए उन्हें मेडिटेशन से काफी मदद मिलती है। सारा पहले सोचती थीं कि ट्रोलर्स सही कह रहे हैं या नहीं, लेकिन अब वह इन बातों को छोड़ चुकी हैं। सारा ने कहा, मैं बस एक बात पर ध्यान देती हूं कि सारा सबसे अच्छी है न सारा सबसे खराब है। सारा बस सारा है, और मैं इसी पर फोकस करती हूं। इस इंटरव्यू के दौरान सारा ने यह भी बताया कि हिंदू मंदिरों में जाने की वजह से लोग उन्हें ट्रोल करते हैं। इस पर उन्होंने कहा कि उनकी मां अमृता सिंह ने उन्हें बचपन से सिखाया कि खुद को धर्म या जाति से न देखें। जब सारा ने अपनी मां से पूछा कि मैं क्या हूं? तो अमृता ने जवाब दिया, तुम भारतीय हो। सारा यह बात कभी नहीं भूलतीं। काम की बात करें तो सारा को फिल्म ऐ वतन मेरे वतन में स्वतंत्रता सेनानी उषा मेहता के किरदार में देखा गया था। इसके अलावा वह अक्षय कुमार के साथ स्काई फोर्स में भी नजर आईं। एक खबर के मुताबिक, सारा अभिनेता आयुष्मान खुराना के साथ एक जासूसी कॉमेडी फिल्म और सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म में काम कर रही हैं। इसके अलावा, वह अनुराग बसु की फिल्म मेट्रोज्इन डिनो में भी दिखाई देंगी।

कार्तिक की फिल्म पति पत्नी और वो से आउट हुईं श्रीलीला, राशा की हुई इंट्री

पुष्पा 2 के किसिक गाने में अपने बेहतरीन डांस से सभी को अपना दीवाना बना चुकीं श्रीलीला को बॉलीवुड की एक फिल्म से दरकिनार कर दिया है और अब उनकी जगह एक बॉलीवुड अभिनेत्री को ले लिया गया है, जो पहले ही उई अम्मा गाने से आपको अपना दीवाना बना चुकी हैं।

श्रीलीला इन दिनों अपनी कई फिल्मों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं, जिनमें हाल ही में साउथ अभिनेता नितिन के साथ उनकी तेलुगु फिल्म रॉबिनहुड रिलीज हुई है। वहीं श्रीलीला, कार्तिक के साथ एक अनाम फिल्म में नजर आएंगी, लेकिन वहीं अब उन्हें कार्तिक की ही एक फिल्म से निकाल दिया गया है, जिसकी वजह और कोई नहीं बल्कि रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी हैं।

श्रीलीला को कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म पती पत्नी और वो के सीक्वल में फाइनल कर लिया गया था, लेकिन आखिरी मौके पर फिल्म के निर्माताओं ने उन्हें हटा दिया। कहा जा रहा है कि यह फिल्म पति पत्नी और वो का सीक्वल है, जिसमें श्रीलीला को लगभग फाइनल कर ही लिया गया था। लेकिन अब उनकी जगह रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी को ले लिया गया है। वहीं, श्रीलीला इस समय कार्तिक आर्यन के साथ अपनी पहली अनाम हिंदी फिल्म की शूटिंग कर रही हैं। इस शूटिंग के वीडियो सोशल मीडिया पर पहले ही वायरल हो चुके हैं। जिसे लेकर कार्तिक और श्रीलीला दोनों ही अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते रहते हैं। पति पत्नी और वो 2019 में रिलीज हुई एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जिसे मुदस्सर अजीज द्वारा लिखित और निर्देशित किया गया है। यह फिल्म 1978 में इसी नाम की फिल्म का रीमेक है। इस फिल्म में कार्तिक आर्यन, भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे ने अहम भूमिका निभाई थी। अब इसका सीक्वल आएगा।

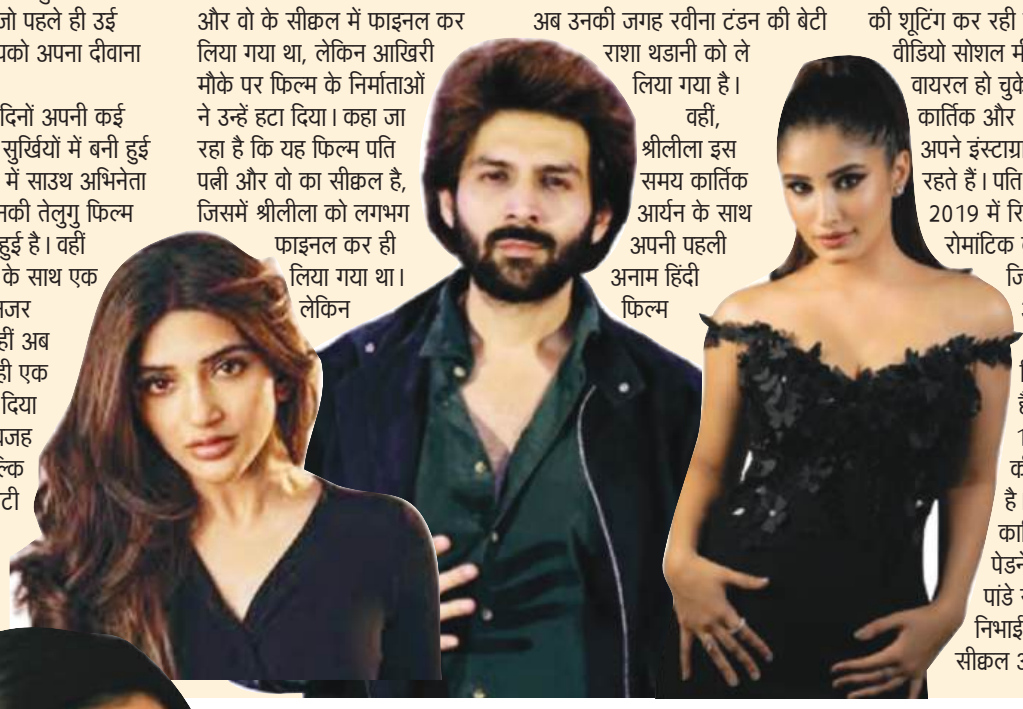

तमिल डायरेक्टर पा. रंजीत की नई फिल्म में महत्वपूर्ण किरदार में नजर आयेंगी शोभिता

शोभिता धुलिपाला ने कई हिंदी, तेलुगु, मलयालम और तमिल फिल्मों में काम किया है, जिनमें गुडाचारी से लेकर मेजर, पोन्नियिन सेलवन 1, पोन्नियिन सेलवन 2 और द नाइट मैनेजर जैसी फिल्में और सीरीज शामिल हैं। अब वहीं शोभिता एक और अनाम तमिल फिल्म के लिए कमर कस रही हैं, जिसमें उनके साथ कई अभिनेताओं की टुकड़ी नजर आएगी। शोभिता धुलिपाला तमिल मशहूर डायरेक्टर पा. रंजीत की नई फिल्म में महत्वपूर्ण किरदार में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में दिनेश मुख्य अभिनेता होंगे और आर्या विलेन का किरदार निभाएंगे। अभी इस फिल्म का नाम तय नहीं हुआ है, लेकिन इसमें अशोक सेलवन और फहाद फासिल जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। शोभिता धुलिपाला एक भारतीय सुपरमॉडल, पूर्व मिस अर्थ इंडिया और अभिनेत्री हैं, जिन्होंने हिंदी, मलयालम, तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम किया है। शोभिता ने इकोनॉमिक्स में मास्टर्स की डिग्री ली है। मॉडलिंग से शोभिता ने अपना करियर शुरू किया था। 2013 में उन्होंने मिस इंडिया अर्थ का खिताब जीता था। शोभिता को 2016 में बॉलीवुड फिल्म रमन राघव 2.0 में अभिनय किया।

शोबिता धुलिपाला ने साउथ अभिनेता नागा चैतन्य से शादी की है। हालांकि, यह चै की दूसरी शादी है। चै की पहली शादी साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु से हुई थी। सामंथा से तलाक के बाद ही नागा ने शोभिता से दूसरी शादी की है।

अजब-गजब | जोधपुर के पूर्व महाराजा उम्मेद सिंह ने कराया था इस बांध का निर्माण

जब बाढ़ से मच गई थी तबाही तब हुआ था जवाई बांध का निर्माण, आज 900 गांव हैं इसके भरोसे

पाली। जवाई बांध पाली सहित तीन जिलों के लोगों और किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। आज यह पश्चिमी राजस्थान का सबसे बड़ा बांध है। 900 गांवों की प्यास बुझाने वाले जवाई बांध का निर्माण उन परिस्थितियों में जोधपुर के पूर्व महाराजा उम्मेद सिंह द्वारा करवाया गया था जब वर्ष 1903 में जवाई नदी में आई बाढ़ से पाली और जालोर जिलों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा था। जिसके बाद पूर्व महाराजा उम्मेद सिंह के मन में आया कि इस बांध का निर्माण करवाया जाएगा और फिर वर्ष 1946 में यह काम शुरू हुआ और 1957 में काम पूरा हुआ। जिसके बाद से आज तक पाली वासियों की प्यास बुझाने के साथ-साथ किसानों को सिंचाई के लिए जल भी यहीं से उपलब्ध करवाया जाता है।

पाली वासियों की प्यास बुझाने का काम यही डैम करता है। बारिश का जब सीजन होती है, तो काफी अच्छा खासा यह डैम भर जाता है। पाली सहित कई जिलो के 900 गांवों की प्यास बुझाने का काम यह डैम करता है। साथ ही किसानों को सिंचाई के लिए यहीं से पानी उपलब्ध कराया जाता है। इसके साथ ही जो आस-पास वाइल्ड लाइफ

एरिया हैं उनके प्यास बुझाने का काम भी यही डैम करता है।

सिरोही के शिवगंज शहर के अलावा यह जालोर और पाली जिले की लाइफ लाइन की तरह काम करता है। इसीलिए हर साल हर गांव और हर परिवार यही दुआ करता है कि बांध लबालब हो जाए। हालांकि जोरदार बारिश के बावजूद अब तक तो बांध पूरा नहीं भरा है, लेकिन इसके पानी से किसानों को अच्छा फायदा होता है। वहीं पश्चिमी राजस्थान का यह सबसे बड़ा बांध वर्ष 1956 में 60 लाख में बनकर तैयार हुआ था।

जवाईबांध को सबसे अधिक जालोर जिले की लाइफ लाइन कहा जा सकता है। इतना ही फायदा पाली जिले को भी होता है। सैकड़ों किसानों को सिंचाई का पानी यहीं से मिलता है। इसके अलावा सुमेरपुर-शिवगंज को भी इसका लाभ मिलने लगा है। सुमेरपुर तहसील क्षेत्र के करीब एक दर्जन गांवों में पेयजल के लिए भी इस बांध से पानी देने की योजना है। इसके लिए पाइप लाइन भी लगवा दी गई है। बांधका जल आवक क्षेत्र 787 वर्ग किमी है और पूर्ण भराव जलस्तर 312 मीटर व ओवरफ्लो का स्तर 308.50 मीटर है। इसके सहयोगी सई बांध से जल औसत जल आवक 51 एमसीएफटी है तथा स्लूस सील का स्तर 294.75 मीटर व मुख्य पक्के बांध का अधिकतम स्तर 315.56 मीटर है। इसकी नहर की लंबाई 23 किमी है।

बांध का निर्माण कार्य 11 वर्ष तक चला था। इतने लंबे समय के अथक प्रयासों के बाद यह बांध पूरा हो सका। बांध की आधारशिला 13 मई 1946 को सवेरे साढ़े ग्यारह बजे जोधपुर के पूर्व नरेश उम्मेद सिंह ने रखी थी और 1956 में यह पूरा हो गया था।

इन गांवों का नाम सुनते ही नहीं रुकती हंसी, यहां के लोग भी जल्दी नहीं बोलते

गया। बिहार में कई ऐसे गांव हैं, जो अपने नाम को लेकर काफी चर्चित हैं। आज हम गया जिले के दो ऐसे गांव की कहानी बताने जा रहे हैं, जहां अपने गांव का नाम लेने में लोग शरमा जाते हैं और इस नाम को छिपाने की कोशिश करते हैं। यह दोनों गांव गुरारु प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत आता है। गांव का नाम बन्दरा और बन्दरी है। बन्दरा और बन्दरी गांव में तकरीबन 100 घर हैं। 60 घर बंदरी गांव में है, तो 40 घर बंदरा गांव में है। दोनों ही गांव संपन्न है, लेकिन नाम के कारण उनकी जो परेशानी है, वह लगातार बनी रहती है। यही वजह है कि गांव के ग्रामीण अपने गांव का नाम नहीं बताना चाहते हैं।

गांव के नाम को लेकर आसपास के इलाके के लोग भी इनका काफी उपहास उड़ाते हैं और व्यंग्य करते हैं। यह दोनों गांव काफी पुराना है और बताया जाता है कि अंग्रेजों के समय से ही यह दोनों गांव बसा हुआ है। दोनों गांव एक दूसरे से सटा हुआ है। गांव के लोगों ने कई बार नाम बदलने की कोशिश की। लेकिन सरकारी कागज में यही नाम होने के कारण ग्रामीणों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। बन्दरा और बन्दरी नाम गांव का होना गांव के लोगों के लिए मजाक का पात्र बन गया है। बाजार जाते हैं या फिर बस में सफर करते हैं, तो अपने गांव का नाम लेने में लोग लज्जित महसूस करते हैं। बन्दरा गांव के रहने वाले लक्ष्मण सिंह बताते हैं कि बन्दरा और बन्दरी दोनों गांव एक दूसरे से सटा हुआ है। यहां लगभग 100 घर हैं। हमारे गांव के नाम को लेकर काफी लोग व्यंग्य करते हैं। हम लोगों ने गांव का नाम बदलकर चितरंजनपुर किया था, लेकिन सरकारी कागज में गांव का नाम बन्दरा और बन्दरी है। इस कारण नाम बदलने में परेशानी हो रही है। यह गांव काफी पुराना है और अंग्रेजों के समय से ही बसा हुआ है। इतना ही नहीं गांव के छोटे बच्चों को भी बन्दरा और बन्दरी नाम खराब लगता है। रिधि कुमारी की मानें, तो हमारे गांव का ऐसा नाम होने के कारण काफी मजाक उड़ाया जाता है। हम लोग चाहते हैं कि हमारे गांव का नाम बदला जाए। गांव के ही रहने वाले सत्येंद्र प्रसाद बताते हैं कि गांव का पहले कुछ और ही नाम था। लेकिन अपभ्रंश होते-होते गांव का नाम बन्दरा और बन्दरी पड़ गया। हम लोग इस नाम को लेने में शर्म महसूस करते हैं और छुपाने की कोशिश करते हैं।

भाजपा और संघ मुस्लिमों की जमीन हड़पना चाहते हैं : लालू

» वक्फ बिल पर लालू ने शाह को दिया जवाब
» लोकसभा में गृहमंत्री ने की थी टिप्पणी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और यूपीए सरकार के कार्यकाल में केंद्रीय रेल मंत्री रहे लालू प्रसाद यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणी का जवाब दिया। लालू के आधिकारिक एक्स हैंडल पर भाषण का एक छोटा वीडियो क्लिप साझा किया गया। भाजपा और संघ के अज्ञानी मूर्खों की आलोचना करते हुए लालू ने शाह या किसी अन्य नेता का नाम लेने से परहेज किया। लिखा, मैंने वक्फ भूमि की रक्षा के लिए एक कड़े कानून की वकालत की थी, जिसे आप हड़पने की कोशिश कर रहे हैं।

वे पिछले सप्ताह वक्फ (संशोधन) विधेयक के विरोध में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड द्वारा आयोजित धरना में शामिल हुए थे। इससे पहले विधेयक पर लोकसभा में चर्चा के दौरान गृह मंत्री शाह ने लालू के 2013 के भाषण का जिक्र किया था। बकौल शाह, लालू ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार की तरफ से पेश किए गए वक्फ में और अधिक कड़े संशोधनों का आह्वान किया था।

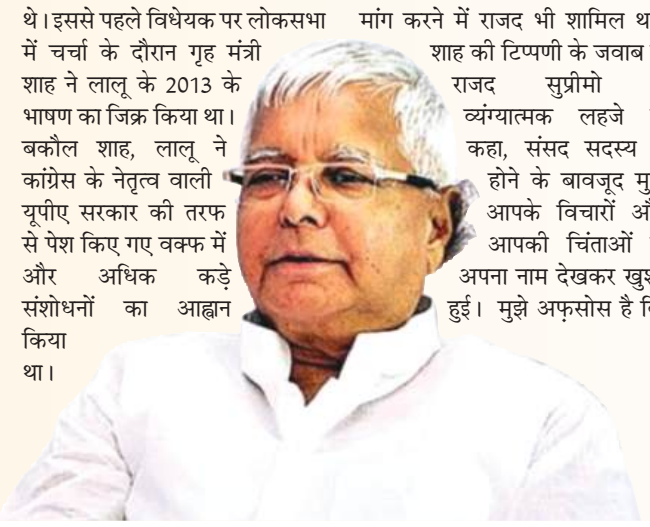

मांग करने में राजद भी शामिल था। शाह की टिप्पणी के जवाब में राजद सुप्रीमो ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, संसद सदस्य न होने के बावजूद मुझे आपके विचारों और आपकी चिंताओं में अपना नाम देखकर खुशी हुई। मुझे अफ़सोस है कि अल्पसंख्यकों, गरीबों, मुसलमानों और संविधान पर चोट करने वाले इस कठिन दौर में संसद में नहीं हूं अन्यथा अकेला ही काफी था। उन्होंने कहा अपनी विचारधारा, नीति और सिद्धांतों पर प्रतिबद्धता, अडिगता और स्थिरता ही मेरे जीवन की जमा पूंजी है।

नीतीश ने इफ्तार देकर ठग लिया: राजद नेता

वक्फ संशोधन बिल को लेकर विपक्ष के नेता बिहार में सीएम नीतीश कुमार और उनकी पार्टी पर लगातार हमला बोल रहे हैं। पूर्व सीएम राबड़ी देवी के आवास के सामने नीतीश का एक पोस्टर लगाया गया है। इसमें उन्हें राष्ट्र स्वयं सेवक संघ के गणवेश में दिखाकर उनकी आलोचना की गई है। राजद नेता आरिफ जिलानी ने नीतीश के वक्फ संशोधन विधेयक पर उनके रुख को लेकर यह पोस्टर लगाया है। राजद नेता ने लिखा कि गिरगिट रंग बदलता है। लेकिन यह तो उससे भी ज्यादा तेजी से रंग बदलने वाले निकले। राजद नेता ने आरोप लगाया कि सीएम ने इफ्तार देकर ठगने का काम किया है। ईद में टोपी पहनकर हमलोगों को टोपी पहनाने का काम किया है। वक्फ पर धोखा दिया। एनआरसी पर भी वही किया।

संविधान का उल्लंघन और देश में विभाजन की कोशिश : महतो कमलेश

रांची। वक्फ संशोधन विधेयक पर जारी सियासी घमासान के बीच झारखंड कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने बुधवार इस विधेयक की निंदा की। साथ ही उन्होंने इसे संविधान द्वारा मुसलमानों को दी गई धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करने का प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक बेरोजगारी और महंगाई जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश है। कमलेश ने कहा कि हम संशोधन के खिलाफ नहीं है, लेकिन इसके इरादे के खिलाफ हैं। यह संशोधन राज्य और देश के हित में होना चाहिए, लेकिन यह देश में विभाजन पैदा करने का प्रयास है।

नई सरकार बनेगी तो वक्फ विधेयक रद किया जाएगा : ममता बनर्जी

» बंगाल की सीएम बोलीं - देश को बांटने के लिए भाजपा ने पेश किया बिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा ने देश को बांटने के लिए वक्फ (संशोधन) विधेयक पेश किया है। उन्होंने कहा कि जब भाजपा नीत सरकार हटेगी और नई सरकार बनेगी तो विधेयक को रद्द करने के लिए संशोधन किया जाएगा। बनर्जी ने भाजपा की उसके विभाजनकारी एजेंडे के लिए आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि जुमला पार्टी का केवल एक ही एजेंडा है - देश को बांटना। वे फूट डालो और राज करो में विश्वास करते हैं। ममता ने रामनवमी की योजना पर भी भाजपा की आलोचना की।

उन्होंने कहा, केंद्र ने गरीबों के लिए सभी काम बंद कर दिए हैं। फिर केंद्र सरकार क्यों है? क्या यह एक नया धर्म शुरू करने के लिए है जिसमें रामकृष्ण, स्वामी विवेकानंद और हमारे वेद शामिल नहीं हैं? क्या यह लोग, देश को विभाजित करने और दंगे भड़काने के लिए है? उन्होंने लोगों से आग्रह किया, मैं सभी धर्मों से आग्रह कर रही हूं। अपने त्योहार शांतिपूर्वक मनाएं। दंगा न करें और दंगा भड़काने की कोशिश भी न करें। आप दंगा भड़काने के लिए कुछ नहीं कर सकते। हम कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा, मैं इसका कड़ा विरोध करती हूं। मैं केंद्र से इस फैसले को वापस लेने का अनुरोध करती हूं। हम 4 और 5 अप्रैल को शाम 4 से 5 बजे तक राज्य भर के हर ब्लॉक और हर नागरिक वार्ड में विरोध रैलियां और बैठकें करेंगे।

आज के मैच में रोहित-पंत की फार्म पर रहेगी नजर

» बोल्ट-चाहर के सामने मार्श-पूरन को रोकने की होगी चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अब तक मुंबई इंडियंस के खिलाफ हुए मुकाबलों में भले ही लखनऊ सुपर जाएंट्स का पलड़ा भारी रहा है, पर पांच बार के चैंपियन मुंबई की चुनौती इस बार लखनऊ के लिए किसी भी हाल में आसान नहीं होने वाली है। मेजबानों के लिए कप्तान ऋषभ पंत की खराब फॉर्म और गेंदबाजी विभाग का लचर प्रदर्शन परेशानी का सबब बना है। ऐसे में टी-20 प्रारूप के स्टार खिलाड़ियों से सजी मुंबई इंडियंस की टीम लखनऊ पर भी जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी। हालांकि रोहित शर्मा की खराब फॉर्म को लेकर मुंबई का खेमा भी चिंतित होगा।

दूसरी ओर लखनऊ के पास घरेलू मैदान में इस मुकाबले को जीतकर वापसी करने का मौका है, लेकिन इसके लिए टीम के कप्तान को अपने बल्ले की खामोशी तोड़नी होगी। वहीं, गेंदबाजों को भी अपने खराब प्रदर्शन का क्रम तोड़ना होगा। वहीं लखनऊ के आकाशदीप अनफिट होने की वजह से वह अब तक मैदान पर नहीं उतर सके लेकिन एनसीए की हरी झंडी मिलने के बाद वह खेलने के लिए तैयार हैं। पहले तीन मैचों में महज 21 रन बनाने वाले हिटमैन अब तक चमक नहीं बिखेर सके हैं। लखनऊ में उनका शानदार रिकॉर्ड रहा है। इसके अलावा सूर्य कुमार, तिलक वर्मा, रिकेल्टन बड़ी पारी खेलने में सक्षम हैं। गेंदबाजी में ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर के अलावा युवा अश्विनी कुमार हैं।

कोलकाता से फाइनल की हार का बदला लेने से चूकी हैदराबाद

कोलकाता। वैभव अरोड़ा और वरुण चक्रवर्ती की घातक गेंदबाजी के दम पर केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद को 120 पर रोककर 80 रन से मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह हैदराबाद की आईपीएल में सबसे बड़ी हार है। गुरुवार को कोलकाता के ईडेन गार्डंस में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गत विजेता टीम ने 20 ओवर में छह विकेट खोकर 200 रन बनाए। जवाब में हैदराबाद 16.4 ओवर में ही ऑलआउट हो गई। इस तरह केकेआर ने एक बार फिर हैदराबाद को पटखनी दी। इससे पहले कोलकाता ने हैदराबाद को हराकर आईपीएल 2024 का खिताब जीता था। पैट कमिंस के नेतृत्व वाली टीम ने इस सत्र की शुरुआत जीत के साथ की थी। इसके बाद उन्हें लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद सनराइजर्स अंक तालिका में 10वें पायदान पर पहुंच गई।

'महापुरुषों का अपमान कर रही बीजेपी'

» सुशील आनंद शुक्ला बोले- नाम चेंजर बनी भाजपा सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ की बीजेपी सरकार ने स्वामी आत्मानंद मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना को अब फिर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर कर दिया है। इसे लेकर कांग्रेस ने बीजेपी पर निशाना साधा है। कांग्रेस के संचार विभाग के चेयरमैन सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की योजनाओं का नाम बदलने में लगी है। साय सरकार ने कोई भी मौलिक योजना शुरू नहीं कर पाई है।

यह सरकार नाम चेंजर सरकार बनकर रह गई है। यह सरकार छत्तीसगढ़ के महापुरुषों का अपमान कर रही है। कांग्रेस संचार विभाग के चेयरमैन ने कहा कि पूर्व की भूपेश सरकार ने छत्तीसगढ़ के महापुरुष स्वामी आत्मानंद के नाम पर स्वामी आत्मानंद मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना शुरू की थी। यह दुर्भाग्यजनक है कि अब इसका नाम बदलकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना कर दिया गया है। बता दें राज्य की बीजेपी सरकार ने मेधावी विद्यार्थियों के लिए चल रही छात्र प्रोत्साहन योजना का नाम बदल दिया है। कांग्रेस शासन काल में स्वामी आत्मानंद के नाम से संचालित योजना को अब पंडित दीनदयाल उपाध्याय मेधावी छात्र प्रोत्साहन योजना के नाम से संचालित की जायेगी। इस योजना के तहत कक्षा दसवीं और बारहवीं के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया जाता है। योजना के नाम पर संशोधन में देरी की वजह से ही पिछले साल के टॉपर को अब तक सम्मानित नहीं किया गया है। अब जल्द ही राज्य सरकार टॉपर को सम्मानित करेगी।

छत्तीसगढ़ियों के प्रति दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई

उन्होंने भाजपा को सलाह देते हुए कहा कि यदि सरकार नई योजना चालू ही करना चाहती है तो वह पंडित दीनदयाल के नाम पर करें, लेकिन छत्तीसगढ़ के जो महापुरुष, साधु,संत और महात्मा हैं उनके नाम पर जो योजना चालू की गई है उसे कैसे बदल सकते हैं? यदि आप बदल रहे, तो ये छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ियों के प्रति दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई है। कांग्रेस इसकी घोर निंदा करती है।

आजम की फिर बढ़ीं मुश्किलें

» जौहर ट्रस्ट से आयकर विभाग करेगा 550 करोड़ की वसूली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और जेल में बंद आजम खान की मुश्किलें फिर बढ़ गई हैं। इस बार मामला इनकम टैक्स विभाग से जुड़ा है। आयकर विभाग आजम के ट्रस्ट से 550 करोड़ रुपये की वसूली करेगा। ये वसूली पूर्व मंत्री के जौहर ट्रस्ट से की जाएगी। दरअसल जौहर विवि में निवेश की गई बेनामी रकम के बदले ये वसूली की जाएगी। विवि निर्माण में करीब 350 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं।

लेकिन खर्च की गई रकम का स्रोत अभी तक पता नहीं चल पाया है। करीब डेढ़ साल पहले आजम खान और ट्रस्ट के बाकी सदस्यों के ठिकानों पर इनकम टैक्स ने छापा मारा था। उसी दौरान बेनामी निवेश होने के सबूत मिले थे। इनकम टैक्स ने केंद्रीय लोक निर्माण विभाग से विवि निर्माण में होने वाले खर्च का मूल्यांकन करने को कहा था। ये रकम 450 करोड़ बताई गई थी। लेकिन जौहर ट्रस्ट के खाते में सिर्फ 100 करोड़ थे। ऐसे में ये बेनामी निवेश माना जा रहा है।

ट्रंप की टैरिफ से बढ़ा भारत में सियासी बवाल

विपक्षी सांसदों का विरोध प्रदर्शन, विपक्ष बोला- यह भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत बड़ा हमला, कांग्रेस ने संसद में मामले को उठाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत पर अमेरिकी टैरिफ के मुद्दे पर पूरे देश में सियासी बवाल मचा है। विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार के सामने विरोध प्रदर्शन किया। शिवसेना (यूबीटी) सांसद अरविंद सावंत ने कहा कि देखिए, अब क्या हुआ है। अमेरिका ने हम पर टैरिफ लगा दिया है। (भारत और अमेरिका के बीच) दोस्ती थी, लेकिन देखिए अब क्या हुआ है। कांग्रेस सांसद अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा, प्रधानमंत्री को सदन में आना चाहिए और टैरिफ के मुद्दे पर जवाब देना चाहिए।

सरकार संसद बंद करके भाग रही : वेणुगोपाल

कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कल भी हमने सदन में इस मुद्दे को उठाया था। विपक्ष के नेता ने भी इसे उठाया था। यह भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत बड़ा हमला होगा। हम इस पर सरकार से जवाब मांग रहे हैं, लेकिन सरकार संसद बंद करके भाग रही है। वित्त मंत्री जवाब नहीं दे रहे हैं। इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 26 प्रतिशत जवाबी शुल्क (टैरिफ) लगाये जाने का मुद्दा बृहस्पतिवार को लोकसभा में उठाया और सरकार से सवाल किया कि इसे लेकर वह क्या करने जा रही है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने सदन में शून्यकाल के दौरान, चीन द्वारा भारतीय क्षेत्र पर अतिक्रमण करने का दावा करते हुए यह भी कहा कि इस पड़ोसी देश के साथ संबंध सामान्य होने चाहिए, लेकिन उससे पहले सीमा पर पूर्व की स्थिति बहाल होनी चाहिए और भारत की भूमि लौटाई जानी चाहिए।

सरकार बताए क्या करने जा रही है : राहुल गांधी

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, ''हमारे साझेदार देश (अमेरिका) ने 26 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है जो हमारी अर्थव्यवस्था को तबाह कर देगा, हमारा ऑटो उद्योग, दवा उद्योग और कृषि सभी कतार में हैं।'' उन्होंने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि वह क्या करने जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत पर 26 प्रतिशत का 'रियायती जवाबी शुल्क' लगाने की घोषणा की है। ट्रंप ने बुधवार को व्हाइट हाउस के रोज गार्डन से विभिन्न देशों पर शुल्क लगाने की घोषणा करते हुए कहा था, ''भारत हमसे 52 प्रतिशत शुल्क लेता है, इसलिए हम उनसे इसका आधा, 26 प्रतिशत शुल्क लेंगे।

तमिलनाडु को नीट से छूट देने से केंद्र का इनकार

» स्टालिन ने सभी विधायकों को मीटिंग के लिए बुलाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 9 अप्रैल की शाम को सचिवालय में सभी विधायकों की एक परामर्श बैठक बुलाई है। केंद्र सरकार द्वारा छात्रों को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) से छूट देने की राज्य की याचिका को खारिज किए जाने के बाद यह बैठक बुलाई गई है।

एक विस्तृत बयान में स्टालिन ने दोहराया कि राज्य की दशकों पुरानी मेडिकल प्रवेश प्रणाली ने देश के कुछ बेहतरीन डॉक्टरों को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। स्टालिन ने कहा कि नीट परीक्षा की शुरूआत के साथ, ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले छात्रों के लिए चिकित्सा की पढ़ाई करने का सपना अप्राप्य हो गया है, क्योंकि उनके पास कोचिंग सुविधाओं तक पहुंच नहीं है। उन्होंने कहा कि एनईईटी शहरी छात्रों को असंगत रूप से लाभ पहुंचाता है, जो महंगे कोचिंग सेंटरों का खर्च उठा सकते हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस परीक्षा ने विशेषाधिकार प्राप्त और वंचित उम्मीदवारों के बीच की खाई को चौड़ा कर दिया है। स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु के लोगों की सामूहिक आवाज को दर्शाते हुए, राज्य सरकार ने एनईईटी के प्रभाव की गहन जांच करने के लिए न्यायमूर्ति ए.के. राजन के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया।

तमिलनाडु विधानसभा में प्रस्ताव पारित करके की थी मांग

समिति के निष्कर्षों के कारण तमिलनाडु विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसके बाद एक सर्वदलीय बैठक हुई जिसमें राज्य की एनईईटी से छूट की मांग की पुष्टि की गई। स्टालिन ने कहा कि छूट की मांग करने वाला विधेयक राज्यपाल के माध्यम से केंद्र को भेजा गया और उसके बाद केंद्रीय मंत्रालयों को विस्तृत स्पष्टीकरण दिया गया। मुख्यमंत्री ने अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, हमारे सभी प्रयासों और सही तर्कों के बावजूद, केंद्र सरकार ने तमिलनाडु के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया है।

अपनी हद में रहें नितेश राणे : संजय राउत

» पाकिस्तान को हिंदू राष्ट्र बनाने का दिया था बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेता नितेश राणे ने कहा है कि उनकी पार्टी पाकिस्तान को 'हिंदू राष्ट्र' बनाना चाहती है। मत्स्य और बंदरगाह विकास मंत्री राणे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह बयान दिया।

उन्होंने अपने पोस्ट में शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत के उस आरोप का जवाब दिया जिसमें राउत ने कहा था कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भारत को 'हिंदू पाकिस्तान' बनाना चाहते हैं। राणे ने लिखा, लेकिन हम पाकिस्तान को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं। इसे ध्यान में रखें और अपनी हद में रहें। मंत्री का यह बयान शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित राउत के हालिया साप्ताहिक लेख के संदर्भ में माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने भाजपा पर सांप्रदायिक नफरत फैलाने और भारत को 'हिंदू पाकिस्तान' बनाने की दिशा में ले जाने का आरोप लगाया था। इससे पहले, राणे ने छत्रपति संभाजीनगर जिले के खुल्ताबाद में स्थित औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग की थी। साथ ही, उन्होंने केरल को 'मिनी पाकिस्तान' भी कहा था।

मुँह से निकला रिपीट, मन में था डिलीट : अखिलेश यादव

» सीएम योगी को लेकर गृह मंत्री के रिपीट वाले बयान पर सपा प्रमुख का वार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह ने समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के तंज पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संदर्भ में एक प्रतिक्रिया दी थी।अब उस पर सपा चीफ ने फिर से टिप्पणी की है। दरअसल, गृह मंत्री शाह ने अखिलेश के तंज पर लोकसभा में कहा था- वो (योगी आदित्यनाथ) भी रिपीट होंगे।

अब अखिलेश ने गृह मंत्री के बयान के संदर्भ में कहा- मुँह से निकला रिपीट, मन में था डिलीट! बता दें गृहमंत्री अमित शाह जब वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान अपनी बात रख रहे थे तभी कन्नौज सांसद अखिलेश यादव ने पूछा कि हमारे योगी आदित्यनाथ के बारे में कुछ नहीं बोलेंगे क्या. इस पर शाह ने कहा वह भी रिपीट होने वाले हैं। शाह का बयान ऐसे वक्त में आया था जब भारतीय जनता पार्टी के विधायक श्याम प्रकाश के बयान की चहुंओर चर्चा थी। अपने बयान में श्याम प्रकाश ने कहा था कि बाबा दिल्ली जाएं और केशव प्रसाद मौर्य सीएम बनें। इसके अलावा सीएम योगी आदित्यनाथ ने भी अपने राजनीतिक भविष्य से जुड़े सवालों पर भी बीते एक साक्षात्कार में कहा था कि वह योगी हैं, राजनीति उनके लिए फुल टाइम जॉब नहीं है, वह कब तक सीएम रहेंगे इसकी भी समय सीमा है।

अखिलेश यादव ने उसी दिन बीजेपी पर भी तंज कसा था. उन्होंने कहा था कि ये जो बिल लाया जा रहा है, भाजपा के अंदर एक मुकाबला चल रहा है। खराब हिंदू कौन बड़ा है, जो पार्टी खुद को कहती है कि वो दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है, वो अभी तक अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव नहीं कर सकी है, ये भाजपा क्या है.इस पर अमित शाह ने भी उसी अंदाज में सपा सांसद अखिलेश यादव को जवाब दिया था। उन्होंने कहा था कि अखिलेश यादव ने हंसते-हंसते अपनी बात रखी और मैं भी हंसते हुए जवाब देना चाहूंगा। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा था कि मेरे सामने जितनी भी पार्टियां हैं, उनमें परिवार के पांच लोगों को ही राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनना है. हमें 12-13 करोड़ सदस्यों में से प्रक्रिया के बाद चुनना है। इसलिए राष्ट्रीय अध्यक्ष के लोकतांत्रिक तरीके से चुनाव में थोड़ा समय लग रहा है, आपकी पार्टी में अध्यक्ष के चुनाव में बिल्कुल भी समय नहीं लगेगा. लेकिन, मैं ये बात गारंटी से कह सकता हूं कि आप 25 साल अध्यक्ष बने रहेंगे। अमित शाह की टिप्पणी पर अखिलेश यादव भी मुस्कुराते हुए नजर आए।

बुलडोजर एक्शन के बीच किताब लेकर भागने वाली बच्ची को अखिलेश पढ़ाएंगे

उत्तर प्रदेश स्थित अंबेडकर नगर में एक घर पर बुलडोजर एक्शन का वीडियो वायरल हुआ था। इसमें देखा जा सकता था कि एक बच्ची अपनी किताबें लेकर घर से बाहर निकल रही थी। अब अखिलेश ने इस बच्ची को लेकर बड़ा ऐलान किया है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश ने लिखा कि- जो बच्चों का भविष्य उजाड़ते हैं, दरअसल वो बेघर होते हैं. हम इस बच्ची की पढ़ाई का संकल्प उठाते है। सपा चीफ ने लिखा- पढ़ाई का मोल पढ़नेवाले ही जानते हैं. बुलडोज़र विध्वंसक शक्ति का प्रतीक है, ज्ञान, बोध या विवेक का नहीं. बुलडोज़र अहंकार के ईंधन से, दंभ के पहियों पर सवार होकर चलता है, इसमें इंसाफ़ की लगाम नहीं होती है। एक साक्षात्कार में अनन्या यादव ने कहा कि हमारी मम्मी हमको रोक रहीं थीं कि मत जाओ लेकिन हम गए. हमको लगा किताब जल जाएगी। हम पढ़ लिखकर आईएएस बनना चाहते हैं. हम चाहते हैं कि हमारे पापा दिल्ली जाएं और वो पैसा कमाकर घर बनवाएं।

कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष पद को लेकर रार

» डीके शिवकुमार की होगी छुट्टी? मंत्रियों के एक ग्रुप ने डाला दिल्ली में डेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कर्नाटक की सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर रस्साकशी शुरू हो गई है। केएन राजन्ना, सतीश जारकीहोली और एमबी पाटिल जैसे मंत्रियों के एक ग्रुप दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं और पार्टी हाईकमान से उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष के रूप में बदलने का आग्रह कर रहे हैं। उनका तर्क सीधा है।

शिवकुमार, जो पहले से ही उपमुख्यमंत्री के महत्वपूर्ण पद को संभाल रहे हैं, पार्टी के आगामी स्थानीय निकाय और बृहत बेंगलुरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) चुनावों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दे पाएंगे। हालांकि, दिल्ली में कांग्रेस नेतृत्व कोई जोखिम लेने के मूड में नहीं है। पार्टी के पास सिर्फ़ तीन राज्यों में सत्ता है, इसलिए हाई कमान कर्नाटक को सिर्फ़ एक गढ़ के तौर पर नहीं बल्कि गारंटी योजनाओं की बदौलत शासन की सफलता के प्रतीक के तौर पर भी देखता है।

वरिष्ठ नेताओं को डर है कि इस समय कोई भी बदलाव गलत संकेत दे सकता है और पार्टी ने दूसरे राज्यों में जो गति पकड़ी है, उसे बिगाड़ सकता है। संगठन के भीतर शिवकुमार की बढ़ती मौजूदगी का सवाल भी है। उन्होंने न केवल कर्नाटक में 2019 के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद पार्टी को पुनर्जीवित करने में मदद की है, बल्कि तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में नाजुक बदलावों को संभालने के लिए नेतृत्व द्वारा उन पर भरोसा भी किया गया है।

पार्टी चाहेगी तो वे बदलाव का विरोध नहीं करेंगे : शिवकुमार

शिवकुमार ने खुद कहा है कि अगर पार्टी चाहेगी तो वे बदलाव का विरोध नहीं करेंगे, लेकिन उनके समर्थकों ने इस बात पर संदेह जताया है कि उनकी जगह कौन प्रभावी रूप से ले सकता है।

सिद्धारमैया खेमे के पसंदीदा पूर्व राज्य कांग्रेस प्रमुख दिनेश गुंडू राव का नाम सामने आया है, लेकिन कई लोगों को याद है कि 2019 में उनके नेतृत्व में पार्टी लोकसभा चुनाव में सिर्फ़ एक सीट ही जीत पाई थी। शिवकुमार के कार्यभार संभालने के बाद ही राज्य इकाई ने फिर से अपनी स्थिति मजबूत की। फिलहाल, कांग्रेस सुरक्षित खेल खेलती दिख रही है। सभी संकेत इस ओर इशारा करते हैं कि शिवकुमार केपीसीसी अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे - न केवल कर्नाटक में उनके प्रदर्शन की वजह से, बल्कि इसलिए भी क्योंकि पार्टी आंतरिक अस्थिरता बर्दाश्त नहीं कर सकती, क्योंकि यह एक महत्वपूर्ण चुनावी मौसम में प्रवेश कर रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार : सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार : संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट : हसन जैदी, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।